Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 228
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
बुधवार,18 मार्च 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 वीडियो बनाने के शक में युवक को पीटा, माता-पिता | 4 1 महीने तक दूध में मिलाकर खा ली ये चीज तो | 7 शादी के 10 साल बाद भरेगी दिव्यांका त्रिपाठी

मिजार्पुर पहुंचे सीएम योगी ने मेले की तैयारियों की समीक्षा की

विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय का भी किया दौरा

मिजार्पुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को मीरजापुर पहुंचे। उनका हेलीकाप्टर सुबह लगभग 11 बजे विंध्याचल के मोतिया झील स्थित हेलीपैड पर उतरा। वहां से मुख्यमंत्री ने मां विंध्यवासिनी के दर्शन-पूजन के लिए मंदिर परिसर की ओर रवाना हो गए। दर्शन के बाद, वह अधिकारियों के साथ वासंतिक नवरात्र मेला की तैयारियों की समीक्षा बैठक की। मां विंध्यवासिनी का दर्शन पूजन करने के बाद मंदिर से बाहर निकले मुख्यमंत्री तो जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार से नवरात्र मेला की तैयारी के संबंध में मुख्यमंत्री को जानकारी दी और तैयारि?यों से उनको अवगत कराया। बैठक के बाद, मुख्यमंत्री मां विंध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय, देवरी कला भी जाएंगे। वहां विश्वविद्यालय का निरीक्षण करने के साथ-साथ अधिकारियों के साथ एक बैठक भी की और इसके बाद मुख्यमंत्री दोपहर करीब दो बजे लखनऊ के लिए रवाना हो गए। मंदिर परिसर में पहुंचने पर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत सदर विधायक रत्नाकर मिश्रा और मंदिर के पुरोहितों ने किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को मंदिर के अंदर दर्शन कराने में मदद की। मुख्यमंत्री ने मां विंध्यवासिनी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की और पूजा-अर्चना की। मीरजापुर में नवरात्र मेला हर वर्ष धूमधाम से मनाया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं।इस बार की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है। नवरात्र के दौरान सुरक्षा, स्वच्छता और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने पहले भी मीरजापुर में विकास कार्यों की समीक्षा की है और इस बार भी उनकी प्राथमिकता में क्षेत्र के विकास के साथ-साथ धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना शामिल है। विंध्याचल क्षेत्र में मां विंध्यवासिनी का मंदिर एक प्रमुख तीर्थ स्थल है, जहां हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं। मुख्यमंत्री की इस यात्रा से स्थानीय प्रशासन को न केवल नवरात्र मेले की तैयारियों को बेहतर बनाने का अवसर मिलेगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित होगा कि दो दि?न बाद नवरात्र में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने निमार्णाधीन मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय का किया निरीक्षण अष्टभुजा डाक बंगले में समीक्षा बैठक के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निमार्णाधीन मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय का निरीक्षण करने दोपहर दो बजकर दस मिनट पर मड़िहान क्षेत्र के देवरी कला पहुंचे।

सीएम धामी ने 'प्रयास बेहतर कल के लिए स्मारिका का किया विमोचन

कहा-जीवन में अनुशासन जरूरी

मसूरी (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को सचिवालय में उत्तराखंड सचिवालय बैडमिंटन क्लब द्वारा प्रकाशित स्मारिका प्रयास बेहतर कल के लिए का विमोचन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार की पहल न केवल खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करती हैं, बल्कि सकारात्मक कार्य संस्कृति के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सीएम धामी ने कहा कि खेल मानव जीवन में अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने सचिवालय कर्मियों से नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य सुदृढ़ होता है, जिसका सकारात्मक प्रभाव कार्यकुशलता पर भी पड़ता है। स्मारिका में प्रकाशित लेखों, उपलब्धियों एवं गतिविधियों की सराहना करते हुए सीएम ने आशा व्यक्त की कि यह प्रकाशन आने वाले समय में और अधिक लोगों को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा।

गोवा के समुद्र तटों पर डूबने से बचाए गए पांच लोग

पणजी (एजेंसी)। गोवा के अलग-अलग समुद्र तटों और दूधसागर जलप्रपात पर साप्ताहांत के दौरान पांच लोगों को डूबने से बचाया गया। जीवनरक्षक एजेंसी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सरकार की ओर से नियुक्त एजेंसी 'दृष्टि मरीन' के एक प्रवक्ता ने बताया, बंगलूरू का एक 29 वर्षीय पर्यटक उत्तर गोवा जिले के अश्वेम बीच पर करीब 50 मीटर दूर गहरे पानी में बह गया था, जिसे रेस्क्यू ट्यूब और बोर्ड की मदद से सुरक्षित वापस लाया गया। उत्तर गोवा के बागा बीच पर गुजरात का एक 18 वर्षीय पर्यटक तैरते समय अचानक तेज लहरों की चपेट में आ गया था, जिसे बचा लिया गया। उत्तर गोवा के कैंडोलिम बीच पर दो घटनाएं सामने आईं, जहां बेलगाम का एक 17 वर्षीय पर्यटक तैरते समय घबराने पर बचाया गया और ब्रिटेन की 67 वर्षीय महिला को चक्कर और सांस लेने में तकलीफ होने पर बीच पर ही इलाज दिया गया। दूधसागर जलप्रपात पर पुणे का एक 36 वर्षीय पर्यटक बिना लाइफ जैकेट के पानी में उतर गया था, जिसे बचाया गया। एक तीन साल का बच्चा चट्टान से फिसलकर पानी में गिर गया था, उसे भी सुरक्षित निकाला गया। प्रवक्ता ने बताया, दक्षिण गोवा के बेनौलिम बीच पर अलग-अलग घटनाओं में तीन पर्यटक (62 वर्षीय विदेशी नागरिक, पुणे का 34 वर्षीय व्यक्ति और नागपुर का 31 वर्षीय पर्यटक) आवारा कुत्तों के काटने का शिकार हुए।

हरियाणा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रामकिशन गुर्जर ने पद छोड़ा

हुड्डा बोले-सब पता है

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रामकिशन गुर्जर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। रामकिशन विधायक शैली चौधरी के पति हैं। सोशल मीडिया पर शैली चौधरी के क्रास मतदान करने की चर्चा है। हालांकि अभी कांग्रेस की ओर क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि हाई कमान को उनके नाम बता दिए गए हैं। 2 से 3 दिन में सभी नाम सार्वजनिक हो जाएंगे। कुलदीप वत्स बोले-मेरी आत्मा दुखी है राम किशन गुर्जर ने कहा कि शैली चौधरी ने क्रॉस वोट नहीं किया बल्कि उनको बदनाम करने की नीयत से उनका नाम उछाला जा रहा है इस लिए विरोध स्वरूप मैं पार्टी पद से इस्तीफा देता हूं। वहीं बादली से कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स ने कहा कि मेरा दिल, दिमाग और आत्मा दुखी है। कांग्रेस में भ्रष्ट लोगों की कदर है। कांग्रेस में रहने पर वत्स ने कहा कि वक्त बताएगा। गलत तरीके से वोट इनवेलिड करवाए गए हरियाणा के नेता विपक्ष भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि संख्या के अनुसार राज्यसभा चुनाव में दो सीटों के लिए 1-1 सीट बीजेपी और कांग्रेस को मिलनी तय थी लेकिन बीजेपी ने अपने एक पदाधिकारी को निर्दलीय मैदान में उतार दिया। हमने जब सदन में मुद्दा उठाया तो बीजेपी ने हंगामा कर दिया। कुलदीप वत्स का नाम सोशल मीडिया पर चल रहा है कि उन्होंने क्रॉस वोट किया लेकिन मैंने खुद कुलदीप वत्स का वोट देखा था। कुलदीप वत्स ने कांग्रेस उम्मीदवार को वोट दिया था। हुड्डा ने कहा कि गलत तरीके से हमारे विधायकों के वोट इनवेलिड किए गए। ये प्रजातंत्र की हत्या है। हमें पता है कि किसने क्रॉस वोट किया है। हाई कमान को उनके बारे में सूचित कर दिया गया है, उनके खिलाफ उचित एक्शन लिया जाएगा।

'अफवाहों से बचें; घबराएं नहीं, घर पर ही मिलेगा सिलिंडर'

सरकार की एलपीजी प्रयोग में किफायत बरतने की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में हालिया घटनाक्रमों के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में पैदा हुई चिंताओं के बीच, भारत के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ऊर्जा सुरक्षा पर एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि वर्तमान में देश के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। सरकार ने देश में आम लोगों से एलपीजी के मसले पर अफवाहों से बचने की अपील की है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने देश के लोगों से अपील करते हुए कहा, ₹घबराएं नहीं और पैनिक न करें। बुकिंग के बाद उनके घर पर ही मिलेगा सिलिंडर की डिलिवरी सुनिश्चित की जाएगी।₹ उन्होंने लोगों से कहा कि वे एलपीजी के इस्तेमाल में किफायत बरतने की कोशिश करें और संभव तो हो पीएनजी का इस्तेमाल शुरू करें। पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक संघर्ष के बीच भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला, नागरिकों की सुरक्षा और बाजार स्थिरता को लेकर कड़े कदम उठाए हैं। एक तरफ जहां विदेश मंत्रालय वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए कूटनीतिक प्रयास कर रहा है, वहीं पेट्रोलियम और शिपिंग मंत्रालयों ने घरेलू स्तर पर ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता और लॉजिस्टिक्स के सुचारू संचालन का भरोसा दिया है। आपूर्ति को बाधित करने वाले तत्वों पर भी देशव्यापी कार्रवाई तेज कर दी गई है। ऊर्जा आपूर्ति और कूटनीतिक पहल पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने साफ किया है कि देश में पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।।प्राकृतिक गैस की खपत को लेकर उन्होंने बताया कि सरकार के प्रयासों के तहत कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ताओं का पीएनजी में शिफ्ट होना अधिक फायदेमंद होगा। एलपीजी जमाखोरों के खिलाफ क्या कार्रवाई हुई? एलपीजी जमाखोरों पर देशव्यापी कार्रवाई बाजार में ईंधन की कृत्रिम कमी रोकने के लिए सरकार ने प्रवर्तन कार्रवाई तेज कर दी है। सुजाता शर्मा के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में देश भर में लगभग 12,000 छापेमारी की गई हैं, जिनमें 15,000 सिलेंडर जब्त किए गए हैं।

निर्वाचन आयोग ने तैनात किए 1111 पर्यवेक्षक

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के चार राज्य और एक केंद्र शासित प्रदेश में अगले महीने विधानसभा के चुनाव होने हैं। इस चुनाव के चलते तेज होती राजनीति के बीच अब चुनाव आयोग ने भी बड़ा एलान किया है। आयोग ने बताया कि अगले महीने होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव और कुछ राज्यों में उपचुनाव के लिए 1,111 पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। बता दें कि इस बार विधानसभा चुनाव पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी में होने हैं। इसके अलावा कई राज्यों में अप्रैल में विधानसभा उपचुनाव भी आयोजित होंगे। चुनाव आयोग ने कहा कि ये पर्यवेक्षक चुनाव के दौरान आंख और कान की तरह काम करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि चुनाव मुक्त और निष्पक्ष तरीके से हों। चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि पर्यवेक्षक गुरुवार तक अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में तैनात हो जाएं। बता दें कि पर्यवेक्षक अपनी तैनाती के बाद अपने संपर्क विवरण सार्वजनिक करेंगे और रोजाना एक निश्चित समय तय करेंगे, जब उम्मीदवार, राजनीतिक दल या जनता के किसी भी सदस्य चुनाव से जुड़े शिकायत या सुझाव लेकर उनसे मिल सके।

टीएमसी ने जारी की 291 उम्मीदवारों की सूची

भवानीपुर से ममता बनर्जी और शुभेंदु की लड़ाई तय

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 291 सीटों के लिए पार्टी के उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। इस सूची के साथ ही राज्य में चुनावी मुकाबले की तस्वीर साफ होने लगी है। ममता बनर्जी ने कोलकाता के कालीघाट स्थित अपने आवास से उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की और कहा कि पार्टी इस बार भी जीत की परंपरा को बनाए रखने के लिए पूरी ताकत से चुनाव मैदान में उतरेगी। ममता बनर्जी ने उम्मीदवारों की घोषणा करते हुए कहा कि पार्टी ने इस बार अनुभव और नए चेहरों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की है। सूची में कई मौजूदा विधायकों को फिर से मौका दिया गया है, जबकि कुछ सीटों पर नए चेहरों को उतारा गया है। खास बात यह है कि इस बार भी भवानीपुर सीट पर ममता बनर्जी खुद चुनाव लड़ेंगी, जहां उनका मुकाबला भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी से होने की संभावना जताई जा रही है। आइए, पहले एक नजर

सूची पर डालते हैं। भवानीपुर में क्यों अहम है मुकाबला? दरअसल, पिछले विधानभसभा चुनाव में ममता बनर्जी दो सीटों से चुनावी मैदान में उतरी थीं। एक नंदीग्राम और दूसरी भवानीपुर विधानसभा। नंदीग्राम में ममता का मुकाबला भाजपा नेता शुभेंदु से था। यहां वो शुभेंदु से चुनाव हार गईं थीं। हालांकि भवानीपुर से उन्होंने जीत हासिल की थी। इस बार यहां मुकाबला अहम है। क्योंकि भाजपा ने इस बार नंदीग्राम के साथ भवानीपुर से भी शुभेंदु अधिकारी को प्रत्याशी बनाया है। ऐसे में कई सवाल उठ रहे हैं। क्या नंदीग्राम में ममता को हराने वाले शुभेंदु ममता के गढ़ में उनको हरा पाएंगे या फिर भाजपा का ये दांव शुभेंदु को ही उलटा पड़ जाएगा।

आईडीएफ का दावा- हमले में ईरानी सुरक्षा प्रमुख लारीजानी की मौत, कमांडर सुलेमानी भी मारे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस्त्राइल के रक्षा मंत्री इस्त्राइल काट्ज ने दावा किया है कि बीती रात ईरान में हुए हवाई हमले में अली लारीजानी की मौत हो गई है। इस्त्राइली सेना ने ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी को निशाना बनाकर यह हमला किया था। लारीजानी ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के बहुत करीबी माने जाते थे। खामेनेई की मौत के बाद से वह ईरान के शासन में एक बहुत बड़ा चेहरा थे। इन दावों के बीच लारीजानी के दफ्तर ने कहा है कि वे थोड़ी देर में प्रेस को

संबोधित कर जानकारी देंगे। बासिज फोर्स के कमांडर की भी मौत का दावा इन हमलों में इस्त्राइली सेना (आईडीएफ) ने बासिज फोर्स के कमांडर गुलामरेजा सुलेमानी के मारे जाने का भी दावा किया है। सेना ने बताया कि सुलेमानी को एक टेंट कैंप में निशाना बनाया गया। बासिज फोर्स ने यह कैंप तब बनाया था जब इस्त्राइल ने उनके पुराने मुख्यालयों को तबाह कर दिया था। इस हमले में सुलेमानी के साथ बासिज फोर्स के डिप्टी कमांडर और कई अन्य बड़े अधिकारी भी मारे गए हैं। बासिज फोर्स को ईरान में विरोध प्रदर्शनों को बेरहमी से कुचलने के लिए जाना जाता है।

युद्ध के बीच एयर इंडिया का बड़ा फैसला, यूरोप और उत्तरी अमेरिका के लिए 36 अतिरिक्त उड़ाने होंगी संचाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के बीच एयर इंडिया ने एक बड़ा फैसला लिया है। अंतरराष्ट्रीय यात्रा में भारी मांग के कारण एयरलाइन ने यूरोप और उत्तरी अमेरिका के लिए अतिरिक्त उड़ानें संचालित करने का फैसला लिया है। इस सप्ताह से अगले सप्ताह तक एयर इंडिया अधिक उड़ाने भरेगा। एयरलाइन 19 मार्च से 28 मार्च के बीच दिल्ली और मुंबई को लंदन (हीथ्रो), टोरंटो, फ्रैंकफर्ट और ज्यूरिख जैसे प्रमुख गंतव्यों से जोड़ने वाली 36 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करेगी। एयरलाइन के मुताबिक इससे इन मार्गों पर 10,000 से अधिक सीटें बढ़ जाएंगी, जिससे क्षमता में वृद्धि होगी और ऐसे समय में यात्रा के अधिक विकल्प उपलब्ध होंगे जब अंतरराष्ट्रीय संपर्क सीमित है।

47 हजार मीट्रिक टन गैस लेकर होर्मुज से भारत लौटा 'नंदा देवी', जानें आपके घर तक कैसे पहुंचेगा सिलिंडर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जामनगर के वडीनार पोर्ट पर एमटी नंदा देवी 46,500 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर पहुंचा, जिसका शिप-टू-शिप ट्रांसफर आज से शुरू होगा। यह हाल के दिनों में हॉर्मुज पार कर भारत पहुंचने वाला दूसरा एलपीजी जहाज है। इससे पहले शिवालिक भी 40,000 एमटी एलपीजी लेकर मुंद्रा पहुंचा था। जामनगर के वडीनार (कांडला) पोर्ट पर मंगलवार सुबह एक बड़ा एलपीजी कार्गो लेकर जहाज एमटी नंदा देवी पहुंचा। दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी (DPA) के चेयरमैन सुशील कुमार सिंह के अनुसार, जहाज सुबह करीब 2:30 बजे पोर्ट के एंकरिज

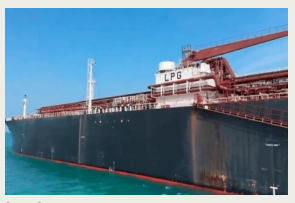

क्षेत्र में पहुंचा। एसटीएस प्रक्रिया आज से शुरू उन्होंने बताया कि नंदा देवी जहाज 46,500 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर आया है, जिसका ट्रांसफर गहरे समुद्र में शिप-टू-शिप (STS) प्रक्रिया के जरिए किया जाएगा। इस कार्गो को एमटी BW Birch जहाज में स्थानांतरित किया जाएगा और यह प्रक्रिया आज से शुरू हो रही है। चेयरमैन सुशील कुमार सिंह ने जहाज के कैप्टन और क्रू से मुलाकात कर इस महत्वपूर्ण कार्गो को सुरक्षित पहुंचाने के लिए उनका आभार जताया। साथ ही उन्होंने ट्रांसफर प्रक्रिया के दौरान हर संभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया। भारत पहुंचने वाला नंदा देवी दूसरा जहाज एमटी नंदा देवी हाल के दिनों में दूसरा भारतीय एलपीजी जहाज है।

राहुल गांधी के खिलाफ 204 रिटायर्ड अधिकारियों ने लिखा पत्र

कहा- संसद में आचरण ठीक नहीं, देश से मांगें माफी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 204 पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने संसद की गरिमा को लेकर चिंता जताते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के व्यवहार पर सवाल उठाए हैं। इन हस्ताक्षरकर्ताओं में 116 सेवानिवृत्त सशस्त्र बल अधिकारी, 84 सेवानिवृत्त नौकरशाह (जिनमें 4 राजदूत शामिल हैं) और 4 वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल हैं। जारी पत्र में कहा गया है कि भारत की संसद देश की संवैधानिक व्यवस्था का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है, जहां जनता की आवाज को अभिव्यक्ति मिलती है, कानून बनाए जाते हैं और गणराज्य की

बुनियाद मजबूत होती है। ऐसे में संसद की गरिमा केवल परंपरा का विषय नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा का अहम हिस्सा है। संसद भवन के भीतर सांसदों का आचरण उच्चतम मानकों के अनुरूप होना चाहिए। लोकसभा और राज्यसभा के कक्षों के साथ-साथ संसद परिसर के अन्य हिस्से (जैसे सीढ़ियां, गलियारे और लॉबी) भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं और वहां भी उसी गरिमा का पालन किया जाना चाहिए। हस्ताक्षरकर्ताओं ने 12 मार्च की घटना पर विशेष चिंता जताई। उनके अनुसार, उस दिन माननीय स्पीकर द्वारा संसद परिसर में किसी भी तरह के प्रदर्शन या विरोध पर स्पष्ट रोक लगाने के बावजूद विपक्ष ने इस निर्देश की अनदेखी की। खुले पत्र में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष ने जानबूझकर इस आदेश का उल्लंघन किया, जो न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि संसदीय परंपराओं के प्रति अनादर भी दर्शाता है। पत्र में यह भी कहा गया कि राहुल गांधी और कुछ अन्य सांसद संसद की सीढ़ियों पर बैठकर चाय और बिस्कुट लेते हुए दिखाई दिए, जो देश की सर्वोच्च विधायी संस्था के सदस्यों के अनुरूप आचरण नहीं है। संसद की सीढ़ियां किसी प्रदर्शन या राजनीतिक मंचन का स्थान नहीं हैं।

तेज, सुरक्षित, आरामदायक और आधुनिक भारतीय रेल आम आदमी और मध्यम वर्ग की सवारी है: संसद में केंद्रीय रेल मंत्री

गोरखपुर,: भारतीय रेलवे में अभूतपूर्व विस्तार और आधुनिकीकरण देखने को मिल रहा है, जिसे केंद्रीय बजट 2026-27 में लगभग ?2.78 लाख करोड़ के रिकॉर्ड बजटीय आवंटन से समर्थन मिला है। रेल मंत्रालय की 'अनुदान मांगों' (2026-27) पर संसद में हुई चर्चा का जवाब देते हुए, श्री अश्विनी वैष्णव ने आज इस बात पर प्रकाश डाला कि रेलवे में एक प्रमुख संरचनात्मक सुधार 'रेल बजट' का 'आम बजट' के साथ विलय था, जिससे तीन बड़े लाभ हुए हैं। उन्होंने भारतीय रेलवे में चल रहे इस बदलाव को ₹धीमी गति से विकास₹ से ₹अति-तीव्र बदलाव₹ की ओर एक बदलाव के रूप में वर्णित किया, जो इस राष्ट्रीय परिवहन सेवा के लिए एक नए युग की शुरूआत का प्रतीक है। पहला, इसने बजटीय सहायता में भारी वृद्धि को संभव बनाया; यह पहले के लगभग ?25,000झ30,000 करोड़ से बढ़कर मौजूदा वित्त वर्ष में लगभग ?2.78 लाख करोड़ तक पहुँच गई है। दूसरा, इसने पूरे वर्ष निरंतर निर्णय लेने और स्वीकृतियाँ प्राप्त करने की प्रक्रिया को सुगम बनाया, जिसमें परियोजनाओं की मंजूरी, नई सेवाओं की शुरूआत और प्रौद्योगिकी को अपनाना शामिल है। तीसरा, इसने अधिक पारदर्शिता और संस्थागत निगरानी सुनिश्चित की, जिसके तहत वित्त मंत्रालय और नीति आयोग से जुड़े तंत्रों के माध्यम से परियोजनाओं की समीक्षा की जाती है। रिकॉर्ड बजट आवंटन और वित्तीय स्थिति केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 में भारतीय रेलवे के लिए रिकॉर्ड आवंटन किया गया है, जिससे देश भर के सभी राज्यों को लाभ होगा और बुनियादी ढांचे के त्वरित विकास को बढ़ावा मिलेगा। वैष्णव ने बताया कि रेलवे के खर्च के मुख्य हिस्सों में कर्मचारियों पर होने वाला लगभग ?1.19 लाख करोड़ का खर्च, पेंशन पर होने वाला लगभग ?64,000 करोड़ का खर्च, ऊर्जा पर होने वाला लगभग ?32,000 करोड़ का खर्च और वित्त पर होने वाला लगभग ?23,000 करोड़ का खर्च शामिल है। इन भारी खर्चों के बावजूद, रेलवे लगातार कुछ न कुछ बचत बनाए हुए है। उन्होंने आगे बताया कि विद्युतीकरण के कारण लगभग ?6,000 करोड़ की बचत हुई है, और विद्युतीकरण बढ़ने की वजह से डीजल की खपत लगातार कम हो रही है। बुनियादी ढांचे का विस्तार और क्षमता में बढ़ोतरी वैष्णव ने पिछले एक दशक में रेलवे के बुनियादी ढांचे में हुए जबरदस्त विस्तार पर रोशनी डाली। माल ढुलाई (त्रर्थ्रीं३ 'ड्ढल्लि्लॅ) 2013झ14 के लगभग 1,055 मिलियन टन से बढ़कर लगभग 1,650 मिलियन टन हो गई है, जिससे भारतीय रेलवे दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा माल वाहक बन गया है। ट्रैक बनाने का काम काफी तेजी से बढ़ा है; पहले के समय के लगभग 15,000 ` की तुलना में अब लगभग 35,000 ` नए ट्रैक बिछाए गए हैं। इलेक्ट्रिफिकेशन में भी तेजी से प्रगति हुई है, जो लगभग 5,200 ` से बढ़कर लगभग 47,000 ` हो गया है, जिससे 99% से ज्यादा नेटवर्क का इलेक्ट्रिफिकेशन हो गया है। सुरक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में, रोड ओवर ब्रिज (फ्ढइ२) और रोड अंडर ब्रिज (फ्वइ२) की संख्या लगभग 4,000 से बढ़कर लगभग 14,000 हो गई है। ऑटोमैटिक सिग्नलिंग का विस्तार लगभग 1,500 ` से बढ़कर 4,000 ` से ज्यादा हो गया है। मंत्री ने यह भी बताया कि छल्ड्ढ कोच, जो ज्यादा सुरक्षित और आधुनिक हैं, उनकी संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है; हाल के वर्षों में लगभग 48,000 कोच जोड़े गए हैं। लोकोमोटिव का उत्पादन भी बढ़कर लगभग 12,000 यूनिट हो गया है, जबकि वैगन की संख्या 2 लाख यूनिट से ज्यादा हो गई है। सुरंगें, फ्रेट कॉरिडोर और रणनीतिक कनेक्टिविटी वैष्णव ने इस बात पर जोर दिया कि सुरंग बनाने के काम में एक बड़ा मील का पत्थर हासिल किया गया है। जहाँ 2014 तक लगभग 125 ` सुरंगें बनाई गई थीं, वहीं उसके बाद अतिरिक्त 486 ` सुरंगें बनाई गई हैं, जिससे पूर्वोत्तर और जम्मू-कश्मीर जैसे मुश्किल इलाकों में कनेक्टिविटी में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने आगे बताया कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (उ्क्रछ२) में काफी प्रगति हुई है; लगभग 2,800 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है और इन कॉरिडोर पर रोजाना लगभग 480 मालगाड़ियाँ चल रही हैं। परिचालन प्रदर्शन और नेटवर्क का विस्तार वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेल इस समय रोजाना लगभग 25,571 ट्रेनें चलाती है, जिससे होली, दिवाली और छठ जैसे त्योहारों के दौरान यात्रा और भी सुगम हो जाती है।कुल रेलवे नेटवर्क लगातार सालाना बढ़ोतरी के साथ लगभग 1,37,522 रूट किलोमीटर तक फैल गया है। इसके अलावा, रेलवे के पास अब लगभग 3.86 लाख वैगन और लगभग 98,000 कोच हैं, जो दोनों ही रिकॉर्ड स्तर पर हैं। सुरक्षा में सुधार मंत्री ने जोर देकर कहा कि सुरक्षा हमारी मुख्य प्राथमिकता बनी हुई है, जिसके लिए ट्रैक के रखरखाव, रोलिंग स्टॉक के रखरखाव, टेक्नोलॉजी अपनाने और ट्रेनिंग के तरीकों पर खास ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रेलवे दुर्घटनाओं में लगभग 90% की कमी आई है, जिसमें व्यवस्थित रूप से दुर्घटनाओं के मूल कारणों का विश्लेषण करने और सुधार के उपायों का अहम योगदान रहा है। सुरक्षा पर निवेश में भी काफी बढ़ोतरी हुई है, जिसके तहत सुरक्षा से जुड़े कामों के लिए लगभग ?1.2 लाख करोड़ का बजट आवंटित किया गया है। सुरक्षा टेक्नोलॉजी के मामले में, उन्होंने 'कवच' (डंप्ूँ) की प्रगति पर प्रकाश डाला, जो कि देश में ही विकसित एक ऑटोमैटिक ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है। इस प्रणाली के तहत लगभग 3,000 किलोमीटर के नेटवर्क को पहले ही कवर किया जा चुका है, जबकि लगभग 20,000 किलोमीटर के नेटवर्क पर काम चल रहा है और लगभग 8,000 लोकोमोटिव में इसे लगाने की योजना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'कवच' एक व्यापक सुरक्षा प्रणाली है, जिसमें ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क, टेलीकॉम टावर, डेटा सेंटर और ट्रेन के अंदर लगने वाले उपकरण शामिल हैं; इसकी जटिलता किसी पूर्ण टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर के बराबर है।

फ्लाईओवर पर ट्रेलर ने बाइक सवार को मारी टक्कर हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल

कानपुर। चकेरी के कोयला नगर फ्लाईओवर पर ट्रेलर की टक्कर से यशोदा नगर निवासी वीरेंद्र यादव घायल हो गए। पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। कानपुर में चकेरी थानाक्षेत्र के

कोयला नगर फ्लाईओवर पर सोमवार देर रात एक ट्रेलर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक घायल हो गया। घटना के बाद चालक ट्रेलर छोड़कर मौके से फरार हो गया। नौबस्ता थाना क्षेत्र के यशोदा नगर निवासी वीरेंद्र सिंह यादव बीते सोमवार को चकेरी में रिश्तेदारी में आए हुए थे। देर रात वह बाइक से घर लौट रहे थे। चालक की तलाश में जुटी पुलिस तभी कोयला नगर फ्लाईओवर पर पहुंचते ही अचानक से एक ट्रेलर ने उनको टक्कर मार दी। हादसे में सड़क पर गिरने से वह घायल हो गए। लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने कांशीराम अस्पताल में भर्ती कराया] जहां से परिजन नौबस्ता स्थित एक प्राइवेट अस्पताल ले गए। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि चालक ट्रेलर छोड़कर मौके से फरार हो गया है। ट्रेलर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश की जा रही है।

सुरंग बनाकर ज्वेलरी शॉप में बड़ी चोरी, आठ लाख का माल पार

कानपुर। चकेरी में खाटू ज्वेलर्स की दुकान में सुरंग बनाकर चोरों ने आठ लाख के जेवर और नगदी चोरी कर लिए। शातिर चोर अपने साथ सीसीटीवी कैमरे और डीवीआर भी ले गए। कानपुर में चकेरी थाना क्षेत्र के अहिरवां के न्यू पटेल नगर में बगल के खाली प्लॉट से सुरंग बनाकर घुसे चोरों ने ज्वेलर्स की दुकान से नगदी जेवरात समेत आठ लाख का माल पार कर दिया। चोर डीवीआर समेत सीसीटीवी कैमरे भी उखाड़ ले गए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। ओमपुरवा लाल बंगला निवासी सोनू वर्मा की अहिरवां के न्यू पटेल नगर में खाटू ज्वेलर्स नाम से दुकान है। सोनू ने बताया कि बीती सोमवार रात में वह दुकान बंद करके घर आ गए थे। मंगलवार सुबह पड़ोसी ने उनको चोरी की सूचना दी। जानकारी पाकर वह दुकान में पहुंचे, तो पीछे खाली प्लाट से सुरंग बनाकर चोर अंदर दाखिल हुए थे। चोर करीब डेढ़ किलो चांदी, 25 ग्राम सोना और लगभग 50 हजार रुपये कैश समेत आठ लाख रुपये का माल लेकर फरार हो गए। सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरों की तलाश इतना ही नहीं दुकान में लगे दो सीसीटीवी कैमरे समेत डीवीआर भी उखाड़ ले गए है। उधर, घटना की जानकारी मिलते ही उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर नाराजगी जताई। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरों की तलाश की जा रही है। तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

सड़क हादसे में बाइक सवार घायल

पुरानी बस्ती। थाना क्षेत्र के पॉलिटेक्निक चौराहे पर रविवार की देर शाम एक बाइक सवार अज्ञात वाहन के पीछे घुस गया। घायल को पुलिस ने अस्पताल भेजवाया। चौकी प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि सत्येंद्र राय पता अज्ञात बाइक से गोरखपुर की तरफ जा रहा था। पॉलिटेक्निक चौराहे पर आगे चल रहे अज्ञात वाहन के पीछे से जा घुसा। वह गंभीर रूप से घायल हो गया और बाइक क्षतिग्रस्त हो गई।

शिविर में 22 दिव्यांगों के प्रमाण पत्र बने

बस्ती। जिला अस्पताल परिसर में सोमवार को सीएमओ कार्यालय में लगे शिविर में 22 दिव्यांगों की जांच के बाद प्रमाण पत्र बनाया गया। सीएमओ डॉ. राजीव निगम ने बताया कि शिविर में 50 दिव्यांग आए थे। जांच के बाद 22 लोग पात्र मिले। अन्य को प्रमाण पत्रों की कमी के कारण दूसरे दिन बुलाया गया है।

शॉर्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन, नियंत्रण एवं मार्ग परिवर्तन निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा कानपुर सेंट्रल-कानपुर पुल बायाँ किनारा के मध्य ब्रिज सं. 110 पर इंजीनियरिंग कार्य हेतु ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक दिये जाने के कारण गाड़ियों का शॉर्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन, नियंत्रण एवं मार्ग परिवर्तन निम्नवत किया जायेगा।

शॉर्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन-

-कासगंज से 01 अप्रैल से 13 मई, 2026 तक चलने वाली 55346 कासगंज-लखनऊ जं. सवारी गाड़ी लखनऊ जं. के स्थान पर कानपुर अनवरगंज में यात्रा समाप्त करगी। यह गाड़ी कानपुर अनवरगंज से लखनऊ जं. के मध्य निरस्त रहेगी और लखनऊ जं. से 02 अप्रैल से 14 मई, 2026 तक चलने वाली 55345 लखनऊ जं.-कासगंज सवारी गाड़ी लखनऊ जं. के स्थान पर कानपुर अनवरगंज से चलाई जायेगी। यह गाड़ी लखनऊ जं. से कानपुर अनवरगंज के मध्य निरस्त रहेगी।

-आगरा फोर्ट से 02 अप्रैल से 13 मई, 2026 तक चलने वाली 12180 आगरा फोर्ट-लखनऊ जं. एक्सप्रेस लखनऊ जं. के स्थान पर कानपुर सेंट्रल में 10.50 बजे यात्रा समाप्त करगी। यह गाड़ी कानपुर सेंट्रल से लखनऊ जं. के मध्य निरस्त रहेगी और लखनऊ जं. से 02 अप्रैल से 14 मई, 2026 तक चलने वाली 12179 लखनऊ जं.-आगरा फोर्ट एक्सप्रेस लखनऊ जं. के स्थान पर कानपुर सेंट्रल से 17.25 बजे चलाई जायेगी। यह गाड़ी लखनऊ जं. से कानपुर सेंट्रल के मध्य निरस्त रहेगी।

-पुणे से 07, 14, 21 एवं 28 अप्रैल तथा 05 एवं 12 मई, 2026 को चलने वाली 12103 पुणे-लखनऊ जं. एक्सप्रेस लखनऊ जं. के स्थान पर कानपुर सेंट्रल में 11.42 बजे यात्रा समाप्त करगी। यह गाड़ी कानपुर सेंट्रल से लखनऊ जं. के मध्य निरस्त रहेगी और लखनऊ जं. से 08, 15, 22 एवं 29 अप्रैल तथा 06 एवं 13 मई, 2026 को चलने वाली 12104 लखनऊ जं.-पुणे एक्सप्रेस लखनऊ जं. के स्थान पर कानपुर सेंट्रल से 18.00 बजे चलाई जायेगी। यह गाड़ी लखनऊ जं. से कानपुर सेंट्रल के मध्य निरस्त रहेगी।

-वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. से 02 अप्रैल से 13 मई, 2026 तक चलने वाली 11109 वीरांगना लक्ष्मीबाई जं.-लखनऊ जं. एक्सप्रेस लखनऊ जं. के स्थान पर कानपुर सेंट्रल में 10.25 बजे यात्रा समाप्त करगी। यह गाड़ी कानपुर सेंट्रल से लखनऊ जं. के मध्य निरस्त रहेगी और लखनऊ जं. से 02 अप्रैल से 13 मई, 2026 तक चलने वाली 11110 लखनऊ जं.-वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. एक्सप्रेस लखनऊ जं. के स्थान पर कानपुर सेंट्रल से 18.20 बजे चलाई जायेगी। यह गाड़ी लखनऊ जं. से कानपुर सेंट्रल के मध्य निरस्त रहेगी।

नियंत्रण-

-लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 01, 04, 06, 08, 11, 13, 15, 18, 20, 22, 25, 27 एवं 29 अप्रैल तथा 02, 04, 06, 09 एवं 11 मई, 2026 को चलने वाली 12107 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-सीतापुर एक्सप्रेस कानपुर सेंट्रल/उत्तर मध्य रेलवे से 210 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

मार्ग परिवर्तन-

-नई दिल्ली से 02 अप्रैल से 13 मई, 2026 तक चलने वाली 12004 नई दिल्ली-लखनऊ जं. एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग गाजियाबाद-कानपुर सेंट्रल के स्थान पर परिवर्तित मार्ग गाजियाबाद-मुरादाबाद के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी अलीगढ़, टूण्डला, इटावा, फफूंद एवं कानपुर सेंट्रल स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

-बरौनी से 02 अप्रैल से 13 मई, 2026 तक चलने वाली 02563 बरौनी-नई दिल्ली विशेष गाड़ी निर्धारित मार्ग बुढ़वल-लखनऊ (उत्तर रेलवे)-कानपुर सेंट्रल-गाजियाबाद के स्थान पर परिवर्तित मार्ग बुढ़वल-सीतापुर सिटी-शाहजहाँपुर-बरेली-मुरादाबाद-गाजियाबाद के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी ऐशबाग एवं कानपुर सेंट्रल स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

11 साल की मासूम से दुष्कर्म, हत्या के बाद खेत में गाड़ा शव

कानपुर। बिधनू में बकरी चराने गई 11 साल की बच्ची की हत्या कर शव खेत में गाड़ दिया गया। परिजनों ने पड़ोसी युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया है। कानपुर में बिधनू थानाक्षेत्र के एक गांव में सोमवार शाम बकरी चराने गई 11 वर्षीय बच्ची की हत्या कर शव को खेत मे गाड़ दिया। परिजन पड़ोसी युवक पर दुष्कर्म के बाद हत्या करने की आशंका जता रहे है। मजदूर पिता के मुताबिक उनकी 11 वर्षीय बेटी पांचवी की छात्रा है। वह सोमवार शाम बकरी चराने खेत गई। देर शाम तक वापस न आने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना देने के साथ खोजबीन शुरू कर दी। देर रात

खोजबीन के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिली। मंगलवार तड़के परिजनों ने दोबारा खोजबीन शुरू की। घर से करीब तीन सौ मीटर दूर गेंहू के खेत मे हाल ही कि मिट्टी खुदी हुई देख परिजनों ने खोद कर देख, तो बच्ची का शव दिखा। इस पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम बुलाकर शव को बाहर निकलवाया। बच्ची बिलकुल निर्वस्त्र थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा पुलिस गला दबाकर हत्या करने का अंदेशा जता रही है। शव की हालत देख परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने पड़ोस में रहने वाले एक युवक पर दुष्कर्म के बाद हत्या कर शव को गाड़ने का आरोप लगाया है। पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले गई। बिधनू थाना प्रभारी तेज बहादुर ने बताया कि एक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, जिसके बाद दुष्कर्म की पुष्टि हो पाएगी।

फलस्वरूप संरक्षा, सुरक्षा एवं राइडिंग कम्फर्ट में उल्लेखनीय सुधार हुआ है

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन द्वारा सवारी एवं माल गाड़ियों के संरक्षित, सुरक्षित एवं तीव्रगामी संचालन हेतु इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास एवं विस्तार तीव्र गति से किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत रेल खंडों के दोहरीकरण, तीसरी लाइन, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग तथा रेल खंडों के नवीनीकरण का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। संरक्षित ट्रेन संचलन के लिये पुराने रेल एवं स्लीपरों को नई रेल एवं ज्यादा क्षमता के मजबूत कंक्रीट स्लीपर से बदले जाने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। संरक्षा के दृष्टिकोण से ट्रेनों की गति बढ़ाने तथा यात्रा समय में कमी लाने हेतु ट्रैक, रेल, स्लीपर, टर्नआउट एवं थ्रू फिटिंग का नवीनीकरण तथा ट्रैक एवं टर्नआउट की डीप स्क्रीनिंग इत्यादि का कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ तीव्र गति से किया जा रहा है। रेलपथ के बेहतर अनुरक्षण हेतु अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से मेंटेनेंस पर फोकस किया जा रहा है, फलस्वरूप संरक्षा, सुरक्षा एवं राइडिंग कम्फर्ट में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वित्त वर्ष 2025-26 में, माह फरवरी, 2026 तक 308 किमी. ट्रैक, 398 किमी. रेल, 211 किमी. स्लीपर एवं 265 टर्नआउट के नवीनीकरण का कार्य पूरा किया गया। इसके अतिरिक्त 271 किमी. प्लेन ट्रैक एवं 275 टर्नआउट की डीप स्क्रीनिंग का कार्य भी गत वर्ष के दौरान किया गया। 297 थिक वेब स्विच का प्रावधान, 142 किमी. थ्रू फिटिंग का नवीनीकरण तथा पुलों पर 6105 चैनल स्लीपर का एच-बीम स्लीपर से नवीनीकरण कर सुरक्षित और तेज ट्रेनों के संचालन को सुनिश्चित किया गया। इन कार्यों के पूरा होने के फलस्वरूप अनेक रेल खंडों में सेक्शनल स्पीड बढ़ाई गई है तथा यात्रा सुगम एवं आरामदायक हुई है। इस वर्ष कुल 142 किमी. रेल खंड की गति बढ़ाई गई, जिसमें गोंडा कचहरी-करनैलगंज(नई लाइन), सीतापुर-सीतापुर सिटी, प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज, कीड़िहारापुर-इंदारा (नई लाइन), फेफना-रसड़ा-इंदारा, पीलीभीत-शाहगढ़, गाजीपुर सिटी-ताड़ीघाट, खोरासन रोड-शाहगंज एवं खुरहट-सठियाँव खंड सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त दोहना यार्ड, लाइन नं.-1 एवं 3 के प्रथम लूप लाइन जिसमें भीटी-प्रयागराज रामबाग के 05 स्टेशनों के टर्नआउट पर 30 किमी./घंटा गति बढ़ाई गई है।

संक्षिप्त खबरें

वीडियो बनाने के शक में युवक को पीटा, माता-पिता भी घायल

कुदरहा। कलवारी थाना क्षेत्र के बगही उर्फ बेनीपुर गांव में रविवार की सुबह मोबाइल से वीडियो बनाने के शक में एक युवक की कुछ लोगों ने पिटाई कर दी। बेटे को बचाने पहुंचे माता-पिता को भी पीट दिया। जानकारी के मुताबिक राम बहोर का पुत्र अविनाश रविवार की सुबह गांव में पटरा लेने जा रहा था। इसी दौरान रास्ते से गुजर रही एक लोडर गाड़ी को देखने लगा। अविनाश के हाथ में मोबाइल फोन देखकर वीडियो बनाने के शक में लोडर चला रहे अजय ने गाली देते हुए पिटाई करने लगा। शोर सुनकर पिता राम बहोर और मां निर्मला मौके पर पहुंचीं। आरोप है कि इस दौरान विजय, संजय, जितेंद्र व कुछ अन्य लोग भी वहां आ गए और लाठी-डंडों से तीनों पर हमला कर दिया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

मामूली कहासुनी में ब्लेड से वार, चार घायल

नगर बाजार (बस्ती)। थाना क्षेत्र के ग्राम कूरहा पट्टी पृथी में सोमवार को मामूली कहासुनी पर दो पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले। आरोप है कि ब्लेड से भी हमला किया गया। एक पक्ष के चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर चार लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगर थाना क्षेत्र के ग्राम कूरहा पट्टी पृथी निवासी संगीता देवी पत्नी प्रमोद कुमार ने नगर पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि गांव के ही श्रीचंद बिना वजह घर पर चढ़कर अपशब्द कह रहे थे। मना करने पर श्रीचंद और उनकी पत्नी लक्ष्ती, विनय, विपिन ने हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए सुमित्रा पत्नी विनोद कुमार, विनोद कुमार, मनोज कुमार को भी लाठी-डंडे से मारपीट कर घायल कर दिए। आरोप है कि ब्लेड से भी हमला कर घायल कर दिया गया।

फर्जी तरीके से जमीन बैनामा करने का आरोपी गिरफ्तार

बस्ती। सोनहा पुलिस ने फजीर्वाड़ा कर प्रपत्रों में हेराफेरी कर जमीन का बैनामा करने के वांछित आरोपी को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के रैकवार निवासी आरोपी तिलकराम को उसके घर से पकड़ा गया। सोनहा के थानेदार महेश सिंह ने बताया कि आरोपी ने 2009 में वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम मनवा निवासी नीलम को प्रपत्रों में हेराफेरी जमीन का बैनामा किया था। पीड़िता ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोपी को पकड़ लिया गया है।

मारपीट में प्रधान प्रतिनिधि समेत चार पर प्राथमिकी

बहादुरपुर। कलवारी थाना क्षेत्र के सरैर्या बुजुर्ग गांव में सात माह पहले मारपीट के मामले में पुलिस ने सोमवार को कोर्ट के आदेश पर प्रधान प्रतिनिधि समेत चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। सरैर्या बुजुर्ग निवासी रत्नेश यादव ने थाने पर तहरीर देकर कहा है कि 11 अगस्त 2025 को कही जा रहा था, रास्ते में उन्हें व गांव के हासिम को प्रधान प्रतिनिधि लवकुश यादव और उनके तीन साथियों ने गाली दी। जब वह थाने पर शिकायत करने जा रहा था तो रोक कर पिटाई की गई। थानेदार संतोष कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच एसआई रामकुंवर को सौंपी गई है।

केसीसी से बिना अनुमति 10 हजार रुपये निकालने का आरोप

बस्ती। भारतीय किसान यूनियन भदौरिया गुट के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र मौर्य और खाताधारक ने सोमवार को नगर बाजार स्थित स्टेट बैंक कर्मी पर आरोप लगाया है कि राम प्रताप का केसीसी खाता बैंक में है। कर्मी ने बिना अनुमति के ही उस खाते से 10 हजार रुपये निकाल लिया है। सीसी टीवी में इसका प्रमाण भी है। शाखा प्रबंधक को पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

छेड़खानी के आरोप में दो पर प्राथमिकी

बस्ती। परशुरामपुर पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर मारपीट, छेड़खानी समेत अन्य धाराओं में दो लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है। थाना क्षेत्र के रहने वाले व्यक्ति ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि लोन की किस्त न देने की बात पर छह जनवरी को विपक्षी उनके कमरे में घुस गए। मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। बीच-बचाव में आए पिता को पैर से मारा तो वह बेहोश होगए। बीच-बचाव में आई मां को भी मारापीटा और उनके कपड़े फाड़ दिए। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर संबंधित प्राइवेट कंपनी से जुड़े आरोपी विजय कुमार निवासी कूरेभार सुल्तानपुर और अंकित मिश्रा निवासी धनपतनगर सुल्तानपुर पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीबीएसई 12वीं में हिंदी कोर की परीक्षा में 44 परीक्षार्थी अनुपस्थित

बस्ती। जनपद के सीबीएसई परीक्षा केंद्रों पर सोमवार को कक्षा-12 हिंदी कोर (कोडझ302) विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा के लिए कुल 2748 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, इनमें से 2704 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 44 अनुपस्थित रहे। परीक्षा केंद्र सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रामबाग बस्ती सहित कुल 11 विद्यालयों के छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए। इनमें सरस्वती विद्या मंदिर रामबाग के 327 में से 3 छह विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। सेंट जेवियर्स हाईस्कूल के 425 में तीन विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। श्रीराम पब्लिक स्कूल के 198 में से आठ विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। कपिल गंगा पब्लिक स्कूल के 317 में से आठ विद्यार्थी अनुपस्थित, द सिटी मॉन्टेसरी स्कूल के 185 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जबकि आरसीसी पब्लिक स्कूल में सभी 260 विद्यार्थी उपस्थित रहे। जागरण पब्लिक स्कूल के 153 में से एक विद्यार्थी अनुपस्थित, ओम्नी इंटरनेशनल स्कूल के 198 में से एक विद्यार्थी अनुपस्थित रहा। लिटिल फ्लावर्स स्कूल के 258 में से छह विद्यार्थी अनुपस्थित रहे।

स्टेशन के पास से अतिक्रमण हटवाया

बस्ती। शहर में सोमवार को नगर पालिका प्रशासन ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। ईओ नगरपालिका अंगद गुप्ता के नेतृत्व में रेलवे स्टेशन बस्ती तिराहे से नये सब्जी मंडी तक सड़क पटरियों से जेसीबी से अतिक्रमण हटाया गया। अभियान के दौरान दुकानदारों में खलबली रही। शाम करीब पांच बजे नपा टीम रेलवे स्टेशन तिराहे पर पहुंची। यहां सड़क किनारे और पटरियों पर अतिक्रमण किए लोगों को हटाया गया। जिन ठेले के कोई वारिश नहीं थे उसको लादकर नपा टीम ले गई। इससे खलबली रही। वहीं अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी गई कि दोबारा अतिक्रमण किए तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कई लोगों ने सड़क पटरी पर अवैध तरीके से निर्माण भी कर लिया था।

रहस्यमय हालात में किशोर लापता

बस्ती। रुधौली पुलिस ने एक किशोर के लापता होने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। थानाक्षेत्र के रहने वाले एक शख्स ने थाने में तहरीर देकर बताया है कि उनका 11 वर्षीय बेटा 12 मार्च की सुबह करीब आठ बजे घर से कहीं चला गया। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चल सका। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति पर अगवा करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है।

भर्ती में देरी से नाराज अभ्यर्थियों ने हाथ में कटोरा लेकर किया प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट भर्ती में देरी से नाराज अभ्यर्थियों ने मंगलवार को अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। अभ्यर्थी कटोरा लेकर भीख मांगते हुए हजरतगंज चौराहे से विधानसभा घेराव के लिए निकले, लेकिन पुलिस ने उन्हें जीपीओ के पास ही रोक लिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वर्ष 2024 की भर्ती प्रक्रिया कोर्ट में लंबित है और अब तक 53 तारीखें लग चुकी हैं, लेकिन कोई निर्णय नहीं आया। इससे हजारों युवाओं का भविष्य अधर में लटक गया है। अभ्यर्थी सूरज सिंह ने कहा कि वे पिछले दो वर्षों से बेरोजगार हैं और लगातार निराशा झेल रहे हैं। उनका आरोप है कि सरकारी पक्ष की कमजोर पैरवी के कारण मामला लंबा खिंच रहा है। कुछ अभ्यर्थियों ने यह भी दावा किया कि कई साथी मानसिक तनाव में आत्महत्या कर चुके हैं। हरदोई से आए रमेश ने बताया कि वे गरीब परिवार से हैं और नौकरी की उम्मीद में लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। भर्ती अटकी रहने से उनके परिवार पर भी आर्थिक संकट गहरा गया है। अभ्यर्थियों के अनुसार, प्रदेश में आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट के करीब 60 प्रतिशत पद खाली हैं। कुल 2100 स्वीकृत पदों में से लगभग 1200 पद रिक्त हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। अभ्यर्थियों ने सरकार से मांग की है कि कोर्ट में शीघ्र सुनवाई कराकर भर्ती प्रक्रिया पूरी कराई जाए, ताकि युवाओं को राहत मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

होली मिलन समारोह में दिया एकता का संदेश

जौरा। ग्राम अलापुर में सरपंच मंजू राजकुमार यादव द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह सामाजिक समरसता और एकता का संदेश दिया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जौरा विधायक पंकज उपाध्याय, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष कैलाश मित्तल, किरार समाज के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. गुलाब सिंह, राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त ऋषि यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष केदार सिंह यादव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राहुल धाकड़, उर्मिला त्यागी, पूर्व विधायक मनीराम धाकड़ मौजूद रहे। अतिथियों, समाजसेवियों और ग्रामीणों का फूल-मालाओं व साफा पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन सरदार सिंह यादव ने किया।

मेवाती ढाबों की जांच की मांग को लेकर दिया ज्ञापन

मुरैना। नेशनल हाईवे क्रमांक-44 के किनारे संचालित मेवाती ढाबों की जांच करने की मांग को लेकर सोमवार को संत समाज एवं हिन्दू संगठनों ने रैली निकालते हुए ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि नेशनल हाईवे पर सड़क किनारे मेवाती ढाबे अवैध तरीके से संचालित हैं। इन ढाबों पर संदिग्ध गतिविधियां देखी गई हैं। इसलिए इनकी जांच कर इनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। साधु-संत एवं हिन्दू संगठनों का कहना है कि इन ढाबों पर गौवंश व नीलगाय का मांस परोसा जा रहा है। ज्ञापन में कहा गया है कि अगर सात दिन में मेवाती ढाबों पर कार्रवाई नहीं की गई तो संत समाज एवं हिन्दू संगठन आंदोलन करेंगे।

बिना अनुज्ञप्ति के परिवहन करते 50 क्विंटल मटर पकड़ी

इंदरगढ़। सेंवढा कृषि उपज मंडी समिति ने बिना परिवहन पास के ले जाई जा रही 50 क्विंटल मटर जब्त कर पांच गुना शास्ति अधिरोपित की है। घटना 14 मार्च रात नौ बजे की है। गुप्त सूचना पर मंडी निरीक्षण दल ने इंदरगढ़-ग्वालियर रोड पर वाहन को रोककर उपज परिवहन के दस्तावेज मांग तो चालक नहीं दिखा पाया। परिवहन पास के अभाव में कुल कीमत दो लाख पर पांच गुना शास्ति अधिरोपित कर मंडी शुल्क दस हजार रुपए, निराश्रित शुल्क दो हजार रुपए समझौता शुल्क एक हजार रुपए वसूलने की कार्रवाई की गई।

हत्या के प्रयास के मामले में आरोपी को पांच साल की सजा

जौरा। थाना चिन्नौनी के एक प्रकरण में मारपीट के आरोपी को द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश ने पांच वर्ष का कठिन कारावास एवं 5000 रुपए के अर्थदंड की सजा से दंडित किया है। अपर लोक अभियोजक अरविंद त्यागी से मिली जानकारी के अनुसार सिंगरौली गांव निवासी बल्लू उर्फ बलराम परमार 14 फरवरी 2024 को अपनी पत्नी के साथ झगड़ा कर रहा था। तभी उसकी ताई उमा उसे बचाने के लिए आ गई। इस दौरान बल्लू और बलराम ने अपनी ताई के साथ मारपीट कर जान से मारने की नीयत से कुल्हाड़ी मार दी। जिससे उमा की गर्दन में गंभीर चोट आई। आरोपी उमा को मरा समझ कर भाग गया।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने किया स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ

5260 दिव्यांगजनों को भेंट किए 22,475 सहायक उपकरण

■ शिवपुरी

देश भर के प्रसिद्ध चिकित्सक आधुनिक मशीनों से करेंगे जांच

केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को शिवपुरी में माधवराव सिंधिया सेवा स्वास्थ्य मिशन एवं रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया। साथ ही दिव्यांगजन किट वितरण शिविर में 5260 दिव्यांगजनों को 22,475 सहायक उपकरण सौंपे।

उन्होंने 786 दिव्यांगजनों को स्वयं अपने हाथों से सहायक उपकरण प्रदान किए। इस दौरान श्री सिंधिया ने कहा कि क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा की यह परंपरा कोई नई नहीं है। इसकी नींव वर्षों पहले उनके पिता स्व. माधवराव सिंधिया ने रखी थी। उन्होंने दूरदराज के ग्रामीण अंचलों तक आधुनिक चिकित्सा सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से बड़े शहरों से डॉक्टरों को गांव-गांव भेजने की परिकल्पना की थी जो आज एक व्यापक मिशन के रूप में साकार होती दिखाई दे रही है।

सिंधिया ने चिकित्सक को जानदाता की संज्ञा देते हुए कहा कि चिकित्सकों का यह नाम एक दम सही है क्योंकि वे जीवन देने का कार्य करते हैं। जिस प्रकार शिक्षकों को ज्ञानदाता और किसानों को अन्नदाता के रूप में सम्मान दिया गया है। उसी प्रकार चिकित्सकों को जानदाता कहकर सम्मानित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनके लिए ये तीनों ही वर्ग इस धरती पर ईश्वर के समान हैं और वे जानदाता, ज्ञानदाता, अन्नदाता तीनों को हृदय से प्रणाम करते हैं। कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, शिवपुरी विधायक देवेंद्र जैन, कोलारस विधायक महेन्द्र यादव, जिलाधीश रवीन्द्र कुमार चौधरी, पुलिस अधीक्षक का अमन सिंह राठौड़, भाजपा जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव सहित भाजपा के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

दिल्ली-भोपाल एम्स से आए चिकित्सक

स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन करते हुए सिंधिया ने कहा कि 17 से 24 मार्च तक लगने जा रहे इस विशाल स्वास्थ्य शिविर में एम्स दिल्ली, एम्स भोपाल और मेदांता जैसे देशभर के प्रतिष्ठित संस्थानों से सैकड़ों विशेषज्ञ चिकित्सक शिवपुरी पहुंचे हैं और विभिन्न आधुनिक मशीनों से सुसज्जित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस स्वास्थ्य शिविर में प्रतिदिन 25,000 ओपीडी और 500 से 700 ऑपरेशन की व्यवस्था की गई है। जिस स्तर की चिकित्सा व्यवस्था आज शिवपुरी में स्थापित हुई है। वह शायद आसपास के कई जिलों में भी उपलब्ध नहीं है।

संसदीय क्षेत्र में दिव्यांगों को प्रदान किए सात करोड़ रुपए के सहायक उपकरण

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने दिव्यांगजन किट वितरण शिविर के दौरान दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि समाज का दायित्व है कि दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनने के अवसर प्रदान किए जाएं। उन्होंने बताया कि अशोकनगर में आयोजित शिविर में 1456 दिव्यांगजनों को 5172 उपकरण प्रदान किए गए जबकि कल गुना में 1929 दिव्यांगजनों को लगभग 8500 उपकरण वितरित किए गए। आज शिवपुरी में 5260 लाभार्थियों के लिए 22,475 सहायक उपकरण, लगभग चार करोड़ रुपए की लागत से प्रदान किए जा रहे हैं। इस प्रकार पूरे संसदीय क्षेत्र में कुल 8640 दिव्यांगजनों को लगभग 35,884 सहायक उपकरण, लगभग सात करोड़ रुपए की लागत से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान सिंधिया ने 786 दिव्यांगजनों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उन्हें सहायक उपकरण प्रदान किए। उन्होंने कई लाभार्थियों को स्वयं ट्राइसाइकिल सौंपते हुए उन्हें सम्मानित भी किया। इस दौरान उन्होंने दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनने की सलाह दी और मंच से ही यह भी दिखाया कि हेलमेट को किस प्रकार लॉक और अनलॉक किया जाता है।

करैरा में ईओडब्ल्यू की बड़ी कार्रवाई

खैराघाट डीसी विद्युत विभाग में 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते कम्प्यूटर ऑपरेटर गिरफ्तार

■ करैरा

करैरा में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खैराघाट डीसी विद्युत विभाग के कम्प्यूटर ऑपरेटर प्रवीण कुशवाहा को 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

जेई सुजीत मिश्रा को बनाया मुख्य आरोपी

ग्राम दोनी निवासी प्रदीप रावत ने ग्वालियर ईओडब्ल्यू में शिकायत की थी कि खैराघाट के जेई सुजीत सिंह मिश्रा द्वारा ट्रांसफार्मर का कनेक्शन कराने के बदले रिश्वत मांगी जा रही है। शिकायत में यह भी बताया गया कि जेई सुजीत मिश्रा इससे पहले प्रदीप रावत के पिता से 44 हजार रुपए ले चुके हैं। आरोप है कि ट्रांसफार्मर का कनेक्शन कराने के लिए सुजीत मिश्रा ने प्रदीप रावत से 30 हजार की रिश्वत मांगी थी जो बाद में 25 हजार में तय हुई। योजना के अनुसार आज जब प्रदीप रावत रुपए देने के लिए खैराघाट डीसी विद्युत विभाग कार्यालय पहुंचे तो उन्होंने जेई सुजीत मिश्रा को फोन किया और बताया कि मैं ऑफिस पहुंच गया हूं। जेई सुजीत मिश्रा ने कुछ देर बाद कम्प्यूटर ऑपरेटर प्रवीण कुशवाहा को फोन कर प्रदीप रावत से 20 हजार रुपए लेने को कहा। जैसे ही प्रवीण कुशवाहा ने प्रदीप रावत से रिश्वत की राशि ली तो पहले से घात लगाए बैठी ईओडब्ल्यू टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया। कार्रवाई के दौरान जेई सुजीत मिश्रा मौके पर मौजूद नहीं थे। ईओडब्ल्यू के निरीक्षक शैलेंद्र सिंह कुशवाहा ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि इस मामले में खैराघाट के जेई सुजीत मिश्रा को मुख्य आरोपी बनाया गया है और अभी पूरे प्रकरण की जांच जारी है।

स्वस्थ जीवन के लिए अपनाएं आध्यात्म

■ ग्वालियर

आरोग्य भारती ग्वालियर नगर द्वारा सोमवार को 'आध्यात्म से स्वास्थ्य' विषय पर एक प्रबोधन कार्यक्रम भगवत सहाय शासकीय महाविद्यालय चार शहर नाका के पास आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आरोग्य भारती ग्वालियर नगर के अध्यक्ष एमके सारस्वत एवं उपाध्यक्ष डॉ. दिव्या द्विवेदी सहित महाविद्यालय के कई प्राध्यापक उपस्थित रहे। अध्यक्ष एमके सारस्वत ने आध्यात्म और स्वास्थ्य के संबंध पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यदि व्यक्ति अपने जीवन में आध्यात्म को अपनाकर नियमित अभ्यास करे तो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। इससे मानसिक संतुलन, भावनात्मक स्थिरता, सकारात्मक ऊर्जा और उत्साह में वृद्धि होती है, साथ ही प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत होने से रोगों से लड़ने की क्षमता भी बढ़ती है। कार्यक्रम में डॉ. दिव्या दीक्षित ने बताया कि अमेरिका सहित कई विकसित देशों में आध्यात्म पर शोध किए गए हैं, जिनमें यह पाया गया है कि आध्यात्मिक अभ्यास शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। इसे अपनाकर व्यक्ति कई प्रकार के मानसिक और शारीरिक लाभ प्राप्त कर सकता है। आभार डॉ. राहिल सत्यनिधान ने व्यक्त किया। इस अवसर पर भगवत सहाय शासकीय महाविद्यालय से डॉ.पीके शर्मा, डॉ. नाजिम बानो, डॉ. अमिता जायसवाल, डॉ. अमित शर्मा, डॉ. आभा वाजपेयी आदि उपस्थित रहे।

ऑल इंडिया कायस्थ महासभा का सम्मेलन व होली मिलन कल

■ ग्वालियर

ऑल इंडिया कायस्थ महासभा ग्वालियर के तत्वावधान में 18 मार्च बुधवार को कायस्थ सम्मेलन एवं होली मिलन समारोह का आयोजन अचलेश्वर मंदिर स्थित जीवायएमसी मैदान में किया जा रहा है। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे समाज की विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा।

महासभा के जिला संयोजक विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महापौर शोभा सिकरवार एवं विधायक सतीश सिकरवार उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में मप्र हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश राकेश सक्सेना, अलका श्रीवास्तव अध्यक्ष महिला नागरिक सहकारी बैंक ग्वालियर, डॉ. बी.आर. श्रीवास्तव संचालक कैंसर हॉस्पिटल ग्वालियर, डॉ. सुधीर सक्सेना अधीक्षक जे.एच. ग्वालियर, अशोक निगम वरिष्ठ समाजसेवी एवं उद्योगपति, शिशिर श्रीवास्तव उपायुक्त नगर निगम ग्वालियर उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ऑल इंडिया कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय जौहरी पूर्व अध्यक्ष बाल कल्याण बोर्ड मप्र करेंगे।

झुग्गी झोपड़ी के बच्चों को बांटी शैक्षिणिक सामग्री

ग्वालियर। प्रकर्ष फाउंडेशन के तत्वावधान में हजीरा स्थित झुग्गी झोपड़ियों में बच्चों को शैक्षिणिक सामग्री कॉपी, पेन, पेंसिल आदि का वितरण किया गया। जिसे पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। फाउंडेशन द्वारा इन झुग्गी झोपड़ियो में सदस्यों के द्वारा छोटे-छोटे बच्चों को कक्षा लगाकर लिखना पढ़ना भी सिखाया जाता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल अवार्डी शिक्षाविद् एवं काउंसलर डॉ. दीप्ति गौड़ उपस्थित रहीं। इस अवसर पर बच्चों से बातचीत करके गिनती पहाड़े और बाल कविताएं भी सुनी तथा वंदे मातरम् के नारे लगवाए गए। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष आरती भदौरिया, रवि दुबे, साक्षी चौहान, कोमल बाथम, विकास, शिवम, हिमांशु, आकाश आदि उपस्थित रहे।

दो प्रतिष्ठानों से घरेलू गैस सिलेण्डर जब्त

■ मुरैना

जौरा कस्बे में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से घरेलू सिलेण्डर जब्त किए गए हैं। सोमवार को सहायक आपूर्ति अधिकारी जौरा बृजपाल सिंह गुर्जर, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी लोकेन्द्र सिंह चैहान, नायब तहसीलदार कमल किशोर शर्मा एवं नायब तहसीलदार राजभान सिंह कुशवाह द्वारा जौरा क्षेत्र के दो प्रतिष्ठानों से चार घरेलू गैस सिलेंडर जप्त कर प्रकरण निर्मित किए गए। प्रतिष्ठानों की जांच के दौरान उनके संचालकों द्वारा घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग किए जाने पर ईसी एक्ट 1955 के तहत प्रकरण निर्मित किए गए। जिनके जांच प्रतिवेदन आगामी कार्रवाई के लिए जिलाधीश को प्रस्तुत किए जाएंगे। जिन दो प्रतिष्ठानों की जांच की गई। उनमें खाटू श्याम भोजनालय न्यू रेलवे स्टेशन के पास से दो और जय श्री श्याम भोजनालय न्यू रेलवे स्टेशन के पास से दो घरेलू गैस सिलेंडर जप्त कर प्रकरण निर्मित किए गए।

25 साल सेवा देने वाले शिक्षकों पर टीईटी की बाध्यता अनुचित

मप्र शिक्षक संघ ने केन्द्र सरकार से की हस्तक्षेप की मांग

■ मुरैना

उच्चतम न्यायालय के निर्णय से प्रदेश सहित देशभर में लाखों शिक्षकों की सेवा और आजीविका पर संकट मंडरा रहा है। उच्चतम न्यायालय ने 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को भी शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया है। इस आदेश के आधार पर प्रदेश सरकार शिक्षकों की परीक्षा लेने की तैयारी कर रही है। ऐसे में लंबे समय से कार्यरत शिक्षकों की सेवा असुरक्षित हो गई है।

मप्र शिक्षक संघ के निवर्तमान संभागीय अध्यक्ष डॉ. नरेश सिंह सिकरवार ने राष्ट्रपति और केन्द्र सरकार से इस फैसले पर संवेदनापूर्वक मानवीय आधार पर विचार कर हस्तक्षेप की मांग की है। अनुरोध पत्र में उन्होंने कहा कि 25 से 30 वर्ष की सेवा देने के बाद अब सभी शिक्षकों पर टीईटी की अनिवार्यता थोपना अनुचित है। यह प्रदेश के करीब डेढ़ लाख शिक्षकों के भविष्य और उनके परिवारों की आजीविका पर सीधा आघात करेगा। वरिष्ठ कर्मचारी नेता डॉ. सिकरवार का कहना है कि केन्द्र सरकार ने संशोधन कर पहले से कार्यरत शिक्षकों पर भी टीईटी को अनिवार्य कर दिया था। परंतु इसकी जानकारी आठ वर्षों तक शिक्षकों को नहीं दी गई। प्रकरण सुप्रीम कोर्ट में लंबित रहा और एक सितंबर 2025 को आए फैसले में अदालत ने एनसीटीई की 2017 की अधिसूचना को आधार बनाते हुए यह आदेश दिया। हालांकि जिन शिक्षकों की सेवानिवृत्ति में पांच वर्ष से कम का समय है उन्हें छूट प्रदान की गई है। अब 25 से 30 साल नौकरी के बाद पात्रता परीक्षा की बाध्यता से शिक्षकों में रोष है।

विशेषज्ञों का मानना है कि आरटीई अधिनियम 2009 और 23 अगस्त 2010 की अधिसूचना के अनुसार 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को योग्य माना गया था और उन्हें टीईटी से छूट दी गई थी। न्यायालय का ताजा निर्णय इस स्पष्ट भेद को नजरअंदाज करता है। जिससे वर्षों से शिक्षा व्यवस्था का दायित्व निभा रहे अनुभवी शिक्षकों का भविष्य अस्थिर हो गया है। डॉ. सिकरवार ने कहा कि सरकार को इस आदेश को केवल भविष्य की नियुक्तियों पर लागू करना चाहिए। वैधानिक प्रक्रिया से नियुक्त शिक्षकों की सेवा सुरक्षा और गरिमा को बचाना आवश्यक है। उन्होंने केन्द्र सरकार, प्रधानमंत्री और राज्य सरकार से आग्रह किया है कि आवश्यक नीतिगत या विधायी कदम उठाकर लाखों शिक्षकों के भविष्य को सुरक्षित बनाया जाए।

ढाई विस्वा जमीन बेचने का किया सौदा था, अशिक्षित होने का फायदा उठाया, 50 हजार देकर जमीन हड़पी

बीमार युवती से धोखे से कराई 12 विस्वा जमीन की रजिस्ट्री

■ शिवपुरी

जिले के कोलारस क्षेत्र में एक बीमार और अशिक्षित युवती से जमीन धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि ढाई विश्वा जमीन बेचने के नाम पर उससे करीब 12 विश्वा जमीन हड़प ली गई। पीड़ित युवती ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत की है।

कोलारस क्षेत्र के ग्राम नेतवास निवासी 30 वर्षीय रेवती जाटव ने सोमवार को बताया कि वह अशिक्षित है और अंगूठा लगाती है। लंबे समय से बीमार होने के कारण उन्हें इलाज के लिए पैसों की आवश्यकता थी। इसी वजह से उन्होंने ग्राम चिटोरा स्थित अपनी कृषि भूमि सर्वे नंबर 438 में से लगभग 0.01428 हेक्टेयर (करीब ढाई विश्वा) जमीन 83 हजार रुपए में बेचने का सौदा किया था। युवती का आरोप है कि कामता प्रसाद जाटव ने रजिस्ट्री के समय उन्हें केवल 50 हजार रुपए दिए और शेष 33 हजार रुपए अगले दिन देने का वादा किया। इसके बाद 14 मार्च को जमीन की रजिस्ट्री करवा ली गई।

युवती ने आरोप लगाया है कि कामता प्रसाद जाटव, मिस्सो रावत, बबलेश रावत और धर्मेंद्र जाटव ने मिलकर षड्यंत्रपूर्वक धोखाधड़ी की है। उसने पुलिस अधीक्षक से मांग की कि सर्वे नंबर 438 की जमीन का बकाया 33 हजार रुपए दिलवाया जाए और सर्वे नंबर 241 की रजिस्ट्री निरस्त कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। कोतवाली थाना प्रभारी कृपाल सिंह राठौड़ का कहना है कि आवेदन आया है और मामले की जांच की जा रही है।

रजिस्ट्री निकलवाने पर हुआ का खुलासा

रेवती जाटव के अनुसार रजिस्ट्री के दौरान कामता प्रसाद के साथ मौजूद एक महिला मिस्सो रावत को गवाह बताया गया था। बाद में उन्हें पता चला कि उसी महिला मिस्सो रावत के नाम पर उनकी दूसरी जमीन सर्वे नंबर 241 में से 0.0975 हेक्टेयर (लगभग 12 विश्वा) जमीन की भी रजिस्ट्री करा ली गई है। पीड़ित युवती ने बताया कि उन्हें इस दूसरी जमीन की रजिस्ट्री के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। उनकी बीमारी और अशिक्षा का फायदा उठाकर कागजों पर उनके अंगूठे के निशान लगवा लिए गए। अगले दिन जब वह अपने पति के साथ बकाया पैसे लेने कोर्ट पहुंचीं तो आरोपी कामता प्रसाद नहीं आया। इसके बाद रजिस्ट्री निकलवाने पर पूरे मामले का खुलासा हुआ।

तेज रफ्तार कार ने बाइक में मारी टक्कर, दो की मौत, दो घायल

■ मुरैना

अंबाह क्षेत्र के पाली के ताल जल का नगरा गांव के समीप सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पोरसा की ओर से आ रही तेज रफ्तार अर्टिगा कार ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार बाइक पर सवार होकर मनमोहन जाटव, सियाराम जाटव निवासी सनाही पूरा सड़क पर जा रहे थे। वहीं वकील जाटव सड़क से गुजर रहे थे। तभी पोरसा की तरफ से आ रही अर्टिगा कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मनमोहन जाटव और वकील जाटव की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे में नरोत्तम जाटव पुत्र मनीराम जाटव एवं अभिषेक जाटव पुत्र अभिलाख गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया। घटना की सूचना मिलते ही अंबाह थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने हादसे में शामिल अर्टिगा कार को घटनास्थल से जब्त कर लिया है।

सम्पादकीय

इच्छा मृत्यु: किसी को ये दिन न देखने पड़ें

हाल ही में हरीश राणा नाम के 31 वर्षीय युवक के माता-पिता की याचिका पर उच्चतम न्यायालय ने इच्छा मृत्यु की अनुमति दे दी। ऐसा देश में पहली बार हुआ। निर्णय देते वक्त अदालत बहुत भावुक भी हो गई। इस युवक के माता-पिता को सैल्यूट भी किया। 13 साल से यह युवक कोमा में था। उसके पूरे शरीर को लकवा भी मार गया था। उसके ठीक होने की कोई उम्मीद भी नहीं थी लेकिन माता-पिता और छोटे भाई ने उसकी बहुत सेवा की। उन माता-पिता की हालत सोचकर कलेजा मुंह को आता है, जिन्हें अपने बेटे की मृत्यु की इजाजत अदालत से लेनी पड़ी। पिता ने कहा कि उनका बेटा टॉपर था। न जाने उसके कितने सपने थे। हॉस्टल में चौथी मंजिल से गिरा, तो फिर कभी उठ नहीं सका। मां सिसकते हुए बोली कि हमारे बाद उसकी देखभाल कौन करता, इसलिए ऐसा निर्णय लेना पड़ा। अर्से से अपने यहां इच्छा मृत्यु पर बहस चल रही है। मुम्बई की नर्स अरुणा शानबाग भी दशकों तक कोमा में रहीं। उनके लिए भी इच्छा मृत्यु की मांग अदालत से की गई थी लेकिन अनुमति नहीं मिली थी। बाद में निमोनिया से उनकी मृत्यु हो गई। जिस परिवार पर ऐसी आफत टूटती है, उनके दुखों के बारे में बयान नहीं किया जा सकता। इसीलिए इस मामले में अदालत ने भी कहा कि सरकार को इस बारे में कानून बनाना चाहिए। कुछ साल पहले अंग्रेजी के एक अखबार ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती ऐसे मरीजों के बारे में एक रिपोर्ट छापी थी। इसमें बताया गया था कि कई ब्रेन डैड मरीज वहां सालों से भर्ती हैं। घर वालों से अस्पताल कहता है कि अब उन्हें घर ले जाएं, जिससे कि अन्य मरीजों को उनके बैड मिल सकें। लेकिन घर वाले इसके लिए तैयार नहीं होते। उन्हें लगता है कि घर ले जाकर वे मरीजों की 24 घंटे देखभाल कैसे करेंगे। अस्पतालों की मजबूरी यह होती है कि उनके पास सीमित संसाधन होते हैं, एक बैड खाली हो, तो हो सकता है कि अनेक मरीज उस लाइन में लगे हों। यूं भी अपने देश में अस्पतालों की भारी कमी है। प्राइवेट सैक्टर अस्पतालों में जाने के बारे में साधनहीन मरीज तो सोच भी नहीं सकते। शिक्षा की तरह इलाज भी मनुष्य के मौलिक अधिकारों में एक होना चाहिए लेकिन शायद ही कोई इसके बारे में सोचता हो। इसके अलावा ज्यों-ज्यों चिकित्सा प्राइवेट सैक्टर के हाथों में गई है, इलाज महंगे से महंगा होता गया है। लोगों के सारे संसाधन किसी एक व्यक्ति के इलाज में लग जाते हैं। फिर भी बहुत बार मरीज ठीक नहीं होता। हरीश राणा के परिवार को भी उसके घर में रहने पर भी इलाज के लिए अपना तीन मंजिला मकान तक बेचना पड़ा था। उसके माता-पिता ने यह भी कहा कि अदालत के इस फैसले से उन जैसे अनेक परिवारों को राहत मिलेगी, जो इस तरह की विपत्ति से गुजर रहे हैं। वे वर्षों से बेटे को इस असहाय अवस्था में देख रहे हैं और कुछ कर भी नहीं सकते। पश्चिम के कई देशों में इच्छा मृत्यृ वैध है। आपको याद होगा कि कुछ साल पहले आस्ट्रेलिया के 100 वर्षीय एक वैज्ञानिक इसके लिए स्विट्जरलैंड गए थे। उनका कहना था कि वह बहुत जी लिए, अब और नहीं जीना चाहते। अपनी मृत्यु से एक दिन पहले उन्होंने वहां की खूब सैर की। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें मालूम है कि उनके साथ क्या होगा। तब उन्होंने पूरी प्रक्रिया के बारे में खुद बताया था। अगले दिन अस्पताल में उनकी इच्छा के अनुसार, इंजैक्शन देकर, उन्हें मुक्ति दी गई थी। दरअसल अपने बच्चे या परिवार के किसी सदस्य के लिए इस तरह की मृत्यु की मांग करना दिल पर पत्थर रखने जैसा काम है। इसके लिए बहुत साहस चाहिए। लेकिन जब परिस्थितियां अपने हाथ से निकलने लगती हैं, सारे संसाधन सूख जाते हैं, शरीर की हिम्मत जवाब दे जाती है, तो कोई करे भी क्या। किसी गम्भीर बीमारी या दुर्घटना के कारण किसी के साथ ऐसा हो जाए कि उसके जीवन की सम्भावना बिल्कुल न बचे, तो और रास्ता ही क्या है। आस्ट्रेलिया के वैज्ञानिक को तो ऐसी कोई समस्या नहीं थी लेकिन उनका कहना था कि अब जीने से उनका मन भर गया है। यह सोचकर भी दिल भर आता है कि जब अस्पताल में हरीश राणा के सारे मैडीकल सपोर्ट हटाए जाएंगे, तो सामने खड़े माता-पिता, अन्य लोगों पर क्या गुजरेगी। यही प्रार्थना की जा सकती है कि ऐसे दुर्दिन किसी और को न देखने पड़ें। किसी को इतनी यंत्रणा से न गुजरना पड़े।

अंतरिम शासन से अस्थिरता तक, 18 महीने में बांग्लादेश की राजनीति में नया मोड़

बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के 18 महीने का कार्यकाल विवादों और अस्थिरता से भरा रहा। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के चौंकाने वाले खुलासे ने यह स्पष्ट कर दिया कि यूनुस ने गैर-सांविधानिक तरीकों से देश को असुरक्षित बनाया। अब बीएनपी सरकार के सामने सामरिक रिश्तों को सुधारने की बड़ी चुनौती है। लगता है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की सरकार के आने के साथ ही बांग्लादेश को मोहम्मद यूनुस के चंगुल से बचा लिया गया है। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के उस चौंकाने वाले बयान पर ध्यान देने की जरूरत है, जिसमें उन्होंने कहा कि अंतरिम सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने 18 महीने के कार्यकाल के दौरान गैर-सांविधानिक तरीकों से देश को अस्थिर करने की कोशिश की, जिसमें उन्हें हटाने की कोशिश भी शामिल थी। राष्ट्रपति के अनुसार, उन्हें सभी फैसले लेने और उसके बाद के कामों से अलग कर दिया गया था। बांग्लादेश के सभी विदेशी मिशनों से उनकी तस्वीर हटाने का कदम सबसे ज्यादा स्पष्ट था। इस एक काम से यह स्पष्ट हो गया कि यूनुस बिना किसी से सलाह किए अपने बनाए एक बुरे एजेंडे पर काम कर रहे थे। शायद इसमें विदेशी ताकतों का भी हाथ था। यूनुस के एकतरफा कामों के ऐसे ही कई मामले सामने आए। मार्च 2025 में चीन के दौरे के दौरान, उन्होंने राजनीतिक बयान दिए, जिसमें भारत के सात पूर्वोत्तर राज्यों (सेवन सिस्टर्स) को समुद्री रास्ते के लिए बांग्लादेश पर निर्भर जमीन से घिरे इलाकों के तौर पर पेश किया गया, और चीन को इस इलाके में अपना आर्थिक असर बढ़ाने के लिए आमंत्रित किया गया। यूनुस ने कहा कि भारत के सात पूर्वोत्तर राज्यों की समुद्र तक सीधी पहुंच नहीं है, जिससे बांग्लादेश इस पूरे इलाके के समुद्र का एकमात्र रक्षक बन गया। बीजिंग में एक उच्च स्तरीय गोलमेज सम्मेलन में, यूनुस ने सुझाव दिया कि पूर्वोत्तर क्षेत्र, बांग्लादेश के जरिये चीनी अर्थव्यवस्था को बढ़ाने का काम कर सकता है। उन्होंने बांग्लादेश के इलाके और बंदरगाह (जैसे चटगांव और मोंगला) को व्यापार के लिए इस्तेमाल करने का सुझाव दिया, ताकि चीन को इस इलाके में विनिर्माण, उत्पादन, विक्रय का मौका मिले। उन्होंने ऊर्जा और बुनियादी ढांचे में क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और पूर्वोत्तर को शामिल करते हुए एक एकीकृत आर्थिक योजना बनाने का आह्वान किया। जनवरी 2026 में सबसे चिंताजनक खबर यह आई कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अमेरिका के एक राजदूत को जो किताब तोहफे में भेंट की थी, उसमें ग्रेटर बांग्लादेश के नक्शे में भारत के पूर्वोत्तर राज्य भी शामिल थे। इससे पहले अक्तूबर, 2025 में एक रिपोर्ट आई थी कि पाकिस्तान के जनरल शमशाद मिर्जा, जो फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के बाद दूसरे नंबर के सैन्य अधिकारी हैं, संपर्क, व्यापार और रक्षा भागीदारी बढ़ाने के लिए ढाका का दौरा कर रहे थे। जनवरी, 2025 में दोनों सेनाओं के बीच रिश्ते फिर से शुरू होने के बाद से मिर्जा ढाका जाने वाले सबसे वरिष्ठ पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी हैं। खबरें थीं कि मिर्जा पश्चिम बंगाल के उत्तरी हिस्से से सटे कुछ सीमाई इलाकों का दौरा कर सकते हैं। याद करें कि पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई ने शेख हसीना के सत्ता से हटने के कुछ ही महीनों के भीतर बांग्लादेश में अपना असर जमाने की कोशिश की। क्या अंतरिम सलाहकार ऐसी कार्रवाई को बढ़ावा दे रहे थे? एक पक्की खबर यह थी कि बांग्लादेश भारत को उसके पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ने वाले बहुत पतले कॉरिडोर चिकन नेक के पास लालमोनिरहाट में एक एयर बेस बना रहा था। इससे भी बुरी बात यह थी कि इसे चीन बना रहा था, जो इस काम को पाकिस्तानी कॉन्ट्रैक्टर (ठेकेदार) के जरिये अंजाम दे रहा था। चीन के साथ मिलकर बनाए गए जेएफ-17 लड़ाकू विमान की बिक्री के लिए पाकिस्तान के जोरदार प्रमोशन का समय कोई इत्तेफाक नहीं है। मई 2025 में भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के बाद, पाकिस्तानी अधिकारियों और सैन्य नेताओं ने जेएफ-17 को लड़ाई में परखा हुआ दिखाने की कोशिश की थी, और दावा किया था कि इसके ऑपरेशनल इस्तेमाल ने इसकी विश्वसनीयता साबित कर दी है। इस तर्क पर विवाद होने और स्वतंत्र रूप से इसकी पुष्टि न होने के बावजूद, पाकिस्तान ने दुनिया भर में विमान की मार्केटिंग के लिए इसी कहानी का सहारा लिया है। हालांकि, जेएफ-17 सिर्फ अजरबैजान, नाइजीरिया और म्यांमार को ही बेचा गया है और बांग्लादेश एक खास संभावित ग्राहक के तौर पर उभरा है। यह रक्षा बातचीत पाकिस्तान-बांग्लादेश रिश्तों में आम गर्मजोशी के साथ हुई। एक दशक से ज्यादा समय के बाद, ढाका और कराची के बीच सीधी उड़ान फिर से शुरू हुई, जो राजनयिक और आम लोगों के बीच जुड़ाव में सुधार का संकेत है। यूनुस के कार्यकाल में सैन्य संपर्क भी बढ़े थे, और आधिकारिक बयानों में दोनों तरफ से पुरानी शिकायतों से ऊपर उठकर सहयोग पर जोर दिया गया था। यूनुस सरकार की तरफ से, इन्हें कई कूटनीतिक और रक्षा चैनल खुले रखने के लिए विविधता के तौर पर बताया जा रहा था। सच में, एक सलाहकार के तौर पर, ऐसे कामों को बढ़ावा देना उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर था। इन कामों को करने की जिम्मेदारी चुनी हुई सरकार की थी। शेख हसीना के ढाका से पलायन के बाद जब यूनुस को अंतरिम सलाहकार नियुक्त किया गया, तो कई टिप्पणीकारों ने इस पर आश्चर्य और चिंता जताई। उनका मानना था कि यह नियुक्ति अमेरिकी डीप स्टेट के प्रभाव में हुई है, जिसने नोबेल पुरस्कार पाने के बाद यूनुस को इस पद के लिए उपयुक्त मान लिया। लेकिन उनके कॅरिअर के विकास में कुछ काली परछाइयों को ताकतवर लोगों ने नजरअंदाज कर दिया। सबसे पहले, तो यह यूनुस और ग्रामीण बैंक के लिए एक संयुक्त पुरस्कार था और बाद में यूनुस पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। हालांकि, बाद में देश के भ्रष्टाचार विरोधी आयोग द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार मामले में उन्हें अंतरिम सरकार चलाने के लिए शपथ लेने के कुछ ही दिनों बाद बरी कर दिया गया। यह जल्दबाजी में लिया गया फैसला था।

यूनुस के एकतरफा कामों के ऐसे ही कई मामले सामने आए। मार्च 2025 में चीन के दौरे के दौरान, उन्होंने राजनीतिक बयान दिए, जिसमें भारत के सात पूर्वोत्तर राज्यों (सेवन सिस्टर्स) को समुद्री रास्ते के लिए बांग्लादेश पर निर्भर जमीन से घिरे इलाकों के तौर पर पेश किया गया, और चीन को इस इलाके में अपना आर्थिक असर बढ़ाने के लिए आमंत्रित किया गया। यूनुस ने कहा कि भारत के सात पूर्वोत्तर राज्यों की समुद्र तक सीधी पहुंच नहीं है, जिससे बांग्लादेश इस पूरे इलाके के समुद्र का एकमात्र रक्षक बन गया। बीजिंग में एक उच्च स्तरीय गोलमेज सम्मेलन में, यूनुस ने सुझाव दिया कि पूर्वोत्तर क्षेत्र, बांग्लादेश के जरिये चीनी अर्थव्यवस्था को बढ़ाने का काम कर सकता है। उन्होंने बांग्लादेश के इलाके और बंदरगाह (जैसे चटगांव और मोंगला) को व्यापार के लिए इस्तेमाल करने का सुझाव दिया, ताकि चीन को इस इलाके में विनिर्माण, उत्पादन, विक्रय का मौका मिले। उन्होंने ऊर्जा और बुनियादी ढांचे में क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और पूर्वोत्तर को शामिल करते हुए एक एकीकृत आर्थिक योजना बनाने का आह्वान किया। जनवरी 2026 में सबसे चिंताजनक खबर यह आई कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अमेरिका के एक राजदूत को जो किताब तोहफे में भेंट की थी, उसमें ग्रेटर बांग्लादेश के नक्शे में भारत के पूर्वोत्तर राज्य भी शामिल थे। इससे पहले अक्तूबर, 2025 में एक रिपोर्ट आई थी कि पाकिस्तान के जनरल शमशाद मिर्जा, जो फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के बाद दूसरे नंबर के सैन्य अधिकारी हैं, संपर्क, व्यापार और रक्षा भागीदारी बढ़ाने के लिए ढाका का दौरा कर रहे थे। जनवरी, 2025 में दोनों सेनाओं के बीच रिश्ते फिर से शुरू होने के बाद से मिर्जा ढाका जाने वाले सबसे वरिष्ठ पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी हैं। खबरें थीं कि मिर्जा पश्चिम बंगाल के उत्तरी हिस्से से सटे कुछ सीमाई इलाकों का दौरा कर सकते हैं। याद करें कि पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई ने शेख हसीना के सत्ता से हटने के कुछ ही महीनों के भीतर बांग्लादेश में अपना असर जमाने की कोशिश की। क्या अंतरिम सलाहकार ऐसी कार्रवाई को बढ़ावा दे रहे थे? एक पक्की खबर यह थी कि बांग्लादेश भारत को उसके पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ने वाले बहुत पतले कॉरिडोर चिकन नेक के पास लालमोनिरहाट में एक एयर बेस बना रहा था इससे भी बुरी बात यह थी कि इसे चीन बना रहा था, जो इस काम को पाकिस्तानी कॉन्ट्रैक्टर (ठेकेदार) के जरिये अंजाम दे रहा था। चीन के साथ मिलकर बनाए गए जेएफ-17 लड़ाकू विमान की बिक्री के लिए पाकिस्तान के जोरदार प्रमोशन का समय कोई इत्तेफाक नहीं है। मई 2025 में भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के बाद, पाकिस्तानी अधिकारियों और सैन्य नेताओं ने जेएफ-17 को लड़ाई में परखा हुआ दिखाने की कोशिश की थी।

भाजपा की चुनावी मशीन को कैसे आकार देती है मोदी-शाह की सांझेदारी

देवी एम. चेरियन

जैसा कि अब कई राज्यों में चुनाव नजदीक आ रहे हैं, हम यह जानते और महसूस करते हैं कि सफलता शायद ही कभी अचानक मिली प्रेरणा से आती है। यह आमतौर पर योजना, अनुशासन और टीम वर्क से आती है। पिछले एक दशक में, भारतीय राजनीति ने एक अनूठी सांझेदारी देखी है, जिसे अक्सर आधुनिक भारत के सबसे प्रभावी राजनीतिक संयोजनों में से एक के रूप में वर्णित किया गया है-नरेंद्र मोदी और अमित शाह के बीच का कामकाजी रिश्ता। उनकी राजनीतिक शैली आखिरी समय के फैसलों या भावनात्मक प्रतिक्रियाओं पर नहीं टिकी। इसकी बजाय, यह तैयारी, समन्वय और चुनावों के लगभग कॉर्पोरेट-शैली के प्रबंधन पर आधारित है। जब चुनाव नजदीक आते हैं, तो पार्टी अचानक प्रचार के लिए नहीं जागती। मोदी और शाह के बीच की समझ नई नहीं है। उनकी राजनीतिक सांझेदारी गुजरात में साथ काम करने के समय से कई साल पुरानी है। उन वर्षों के दौरान, उन्होंने काम करने की एक ऐसी शैली विकसित की, जहां भूमिकाएं स्पष्ट रूप से परिभाषित थीं लेकिन संचार निरंतर बना रहता था। नरेंद्र मोदी को व्यापक रूप से चेहरे, संचारक और उस नेता के रूप में देखा जाता है, जो बड़े राष्ट्रीय संदेश को आगे बढ़ाते हैं। दूसरी ओर, अमित शाह को अक्सर रणनीतिकार के रूप में वर्णित किया जाता है, वह व्यक्ति, जो राजनीतिक युद्धक्षेत्र का सूक्ष्म विवरण के साथ अध्ययन करता है। जिम्मेदारियों का यह विभाजन एक सुचारू प्रणाली बनाता है। एक व्यक्ति विजन और संदेश पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि दूसरा संगठन और कार्यान्वयन पर। राजनीतिक हलकों में लोग अक्सर कहते हैं कि मोदी राष्ट्र से बात करते हैं, जबकि शाह पार्टी से। भाजपा के चुनाव प्रबंधन का चौंकाने वाला पहलू यह है कि तैयारी कितनी जल्दी शुरू हो जाती है। जब किसी राज्य में चुनाव की उम्मीद होती है, तो जमीनी काम आमतौर पर कम से कम 6 महीने पहले शुरू हो जाता है। उस समय तक, सर्वेक्षण किए जा चुके होते हैं, स्थानीय नेताओं का आकलन किया जा चुका होता है और निर्वाचन क्षेत्र स्तर का डाटा केंद्रीय नेतृत्व तक पहुंचना शुरू हो जाता है। अमित शाह विस्तृत जानकारी पर जोर देने के लिए जाने जाते हैं। पिछली बार किस बूथ पर प्रदर्शन खराब रहा? कौन-सा स्थानीय मुद्दा मतदाताओं को परेशान कर रहा है? कौन-सा समुदाय उपेक्षित महसूस कर रहा है? ये सवाल चुनाव से एक हफ्ते पहले नहीं पूछे जाते, ये महीनों पहले पूछे जाते हैं। इन विवरणों का सावधानीपूर्वक विश्लेषण करने के लिए टीमें बनाई जाती हैं। बूथ स्तर की समितियां सक्रिय की जाती हैं। स्थानीय कार्यकत्ताओं से संपर्क किया जाता है और धीरे-धीरे, पूरे राज्य में राजनीतिक गतिविधियों का एक नैटवर्क फैलने लगता है। जब तक चुनाव की तारीखों की घोषणा होती है, तब तक अधिकांश जमीनी काम पहले ही पूरा हो चुका होता है। भाजपा संगठन के भीतर सबसे अधिक दोहराए जाने वाले वाक्यांशों में से एक बूथ प्रबंधन है। विचार सरल है-चुनाव अंततरू व्यक्तिगत मतदान केंद्रों के स्तर पर तय होते हैं। अमित शाह की संगठनात्मक शैली के तहत, पार्टी अक्सर प्रत्येक बूथ की जिम्मेदारी विशिष्ट कार्यकत्ताओं को सौंपती है। उनका काम यह सुनिश्चित करना है कि मतदाताओं से संपर्क किया जाए, स्थानीय चिंताओं को समझा जाए और पार्टी का संदेश हर घर तक पहुंचे। हालांकि यह सुनने में सरल लग सकता है लेकिन इसके लिए भारी समन्वय की आवश्यकता होती है। सूचियां तैयार की जाती हैं, बैठकें आयोजित की जाती हैं और संचार केंद्रीय नेतृत्व से लेकर पार्टी की सबसे छोटी इकाइयों तक प्रवाहित होता है। इस तरह का अनुशासन यह सुनिश्चित करता है कि जब अभियान अपने चरम पर पहुंचे, तो ढांचा पहले से ही मजबूत हो। जहां संगठनात्मक ढांचा पृष्ठभूमि में चुपचाप काम करता है, नरेंद्र मोदी अभियान को सार्वजनिक ऊर्जा प्रदान करते हैं। उनकी रैलियां अक्सर बड़े आयोजन बन जाती हैं, जो भारी भीड़ और व्यापक मीडिया का ध्यान आकर्षित करती हैं। लेकिन प्रत्येक रैली के पीछे सावधानीपूर्वक योजना होती है। स्थानों का चयन रणनीतिक रूप से किया जाता है। विषयों का चयन उस विशेष क्षेत्र की चिंताओं के आधार पर किया जाता है। यहां तक कि दौरों का समय भी अधिकतम राजनीतिक प्रभाव पैदा करने के लिए तय किया जाता है। कई मायनों में, मोदी के भाषण अभियान की भावनात्मक और प्रेरक परत प्रदान करते हैं। इस नेतृत्व शैली की एक और महत्वपूर्ण विशेषता पार्टी कार्यकत्ताओं के साथ नियमित बातचीत है। बैठकें बार-बार आयोजित की जाती हैं-कभी भौतिक, कभी आभासी, जहां जमीनी स्तर के नेताओं से फीडबैक एकत्र किया जाता है। यह एक दोतरफा प्रणाली बनाता है। केंद्रीय नेतृत्व निर्देश देता है लेकिन वह जिला नेताओं और बूथ स्तर के कार्यकत्ताओं की रिपोर्ट भी सुनता है। उम्मीदवार चयन एक और क्षेत्र है, जहां मोदी-शाह शैली दिखाई देती है। केवल वरिष्ठता या लोकप्रियता पर भरोसा करने की बजाय, कई कारकों का अध्ययन किया जाता है। सर्वेक्षण, स्थानीय फीडबैक, प्रदर्शन रिकॉर्ड और जनता की धारणा, सभी इसमें भूमिका निभाते हैं। कभी-कभी इससे चौंकाने वाले फैसले भी होते हैं।

मतदान की तारीखों का ऐलान : पर क्या चुनाव होगा भी

राजेंद्र शर्मा

चुनाव आयोग ने 15 मार्च को विधानसभाई चुनावों के अगले चरण की तारीखों की घोषणा कर दी। कहने की जरूरत नहीं है कि चुनाव आयोग ने इन तारीखों की घोषणा करने के लिए, चुनाव में जाने वाले राज्यों के प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव से ऐन पहले के दौरे के पूरे हो जाने का इंतजार किया। इस दौरे में प्रधानमंत्री ने हरेक राज्य में एक ओर परियोजनाओं के उद्द्घाटनों से लेकर घोषणाओं तक का सरकारी काम-काज किया और दूसरी ओर, अपनी पार्टी के पक्ष में राजनीतिक-चुनावी प्रचार किया। अपने चुनाव-पूर्व चुनाव प्रचार के दौरों के इस चक्र में प्रधानमंत्री मोदी ने 11 मार्च को केरल का दौरा किया। 12 मार्च को प्रधानमंत्री तमिलनाडु के दौरे पर रहे। 13 मार्च को असम में प्रधानमंत्री का घोषणा-प्रचार दौरा हुआ और 14 मार्च को प्रधानमंत्री प. बंगाल के दौरे पर पहुंचे, जहां मुश्किल से आधे भरे ब्रिगेड मैदान में रैली के साथ, उन्होंने अपने दौरे का समापन किया। और अगले ही दिन चुनाव आयोग ने विधानसभाई चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी। बेशक, यह कोई पहली बार नहीं हुआ है जब चुनाव की तारीखों की घोषणा और प्रधानमंत्री के चुनाव-पूर्व प्रचार कार्यक्रम की तारीखों में ऐसा सटीक तालमेल हुआ हो। उल्टे, 2014 के लोकसभा चुनाव में मोदी राज की स्थापना के बाद से जितने भी महत्वपूर्ण चुनाव हुए हैं, उन सभी में यह सचेत तालमेल देखने को मिला है। वास्तव में अब तो यह इस हद तक सामान्य बनाया जा चुका है कि शुरू में कुछ चुनावों के मामले में इस पर सवाल

उठाए जाने के बाद, धीरे-धीरे न सिर्फ मीडिया तथा टीकाकारों ने, बल्कि विरोधी राजनीतिक पार्टियों तक ने इस पर सवाल उठाना तक बंद कर दिया है। हैरानी की बात नहीं है कि इस बार भी, सोशल मीडिया पर छुटपुट टिप्पणियों को छोड़कर, चुनाव आयोग की इस कारगुजारी को शायद ही किसी ने ध्यान देने लायक समझा हो। लेकिन, ऐसा होने से चुनाव आयोग के इस खेल में निहित बेईमानी, किसी तरह से छोटी या महत्वहीन नहीं हो जाती है। उल्टे यह तो इसी का इशारा करता है कि किस तरह, चुनाव आयोग से एक संवैधानिक निकाय के रूप में स्वतंत्र तथा निष्पक्ष तरीके से काम करने की अपेक्षाएं, अब समाप्तप्रायरू हैं। इसे देखते हुए हैरानी की बात नहीं है कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार, वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त, ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग के खिलाफ, लगभग समूचा विपक्ष औपचारिक रूप से अपना अविश्वास जताने के लिए तैयार हो गया है और उसे हटाने के लिए संसद के सामने विधिवत रूप से प्रस्ताव लाया गया है। सवाल यह नहीं है कि विपक्ष के चुनाव आयोग के खिलाफ इस तरह के कदम के सफल होने की कोई संभावनाएं हैं भी हैं या नहीं? भारत के संविधान निमार्ताओं ने, जनतंत्र के लिए स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव की और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव के लिए, हर प्रकार के दबावों से सुरक्षित चुनाव आयोग सुनिश्चित करने की मंशा से, मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को हटाए जाने की प्रक्रिया को, पर्याप्त से अधिक कठिन बनाया है। हालांकि, संसद के हाथों में यह अधिकार सौंपा गया है, लेकिन संसद भी कोई साधारण बहुमत से चुनाव आयुक्तों को नहीं हटा सकती है। इसकी प्रक्रिया वैसी ही जटिल तथा अर्द्ध-न्यायिक है, जैसी उच्चतर न्यायालय के न्यायाधीशों के मामले में इंपीचमेंट की प्रक्रिया होती है। वर्तमान मामले में तो मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के प्रस्ताव पर पर्याप्त संख्या में सांसदों के हस्ताक्षर जमा होने के बाद, इसके किसी सदन में विचार के लिए स्वीकार किए जाने समेत, अनेकानेक चरणों से क्रमवार आगे बढ़ना बाकी है। इसलिए, इस प्रस्ताव का हश्र क्या होगा इस पर अटकल लगाने का कोई उपयोग नहीं है। वैसे भी जब वर्तमान चुनाव आयोग पर असली आरोप सत्ताधारी भाजपा के साथ पक्षपात करने का है, संसद के दोनों सदनों में सत्तापक्ष की संख्या को देखते हुए, किसी चमत्कार से ही इस प्रस्ताव को कामयाबी मिल सकती है, अन्यथा इसका विफल होना तो तय ही है। इसके बावजूद, जिसमें इस प्रस्ताव का विफल होना तयशुदा होना भी शामिल है, इस प्रस्ताव का रखा जाना निरर्थक नहीं है। इस प्रस्ताव का रखा जाना, मौजूदा हालात पर आलोचना की एक नैतिक आवाज है, जहां सत्ताधारी भाजपा और उसकी मोदीशाही ने, जनतंत्र को चलाने वाली सभी संस्थाओं को इस तरह भीतर से खोखला कर दिया है कि, उनकी साख ही खत्म हो गयी है।

ट्रम्प पर भारी पड़ता युद्ध

प्रेम शर्मा

इजरायल ईरान युद्ध में अमरीका की भूमिका को नकारा नही जा सकता। या यू भी कहा जा सकता है कि अगर अमरीका इजराइल का साथ न देता तो इजरायल ईरान से भिड़ने की हिम्मत भी न करता। लेकिन यह युद्ध अब ट्रम्प पर भारी पड़ता नजर आ रहा है। यही नही अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। तेल की बढ़ती कीमतों, आर्थिक दबाव, और लंबे युद्ध की संभावना से मतदाताओं में नाराजगी बढ़ सकती है, जो सीधे तौर पर चुनाव परिणामों को प्रभावित कर सकती है। युद्ध के कारण तेल की कीमतों में उछाल और मुद्रास्फीति में वृद्धि मतदाताओं के लिए मुख्य चिंता बन गई है, जो रिपब्लिकन पार्टी के खिलाफ जा सकती है। यदि युद्ध लंबा चलता है, तो यह डोनाल्ड ट्रंप के लिए एक बड़ी राजनीतिक कमजोरी बन सकता है, क्योंकि यह उनके विदेशी युद्धों को रोकने के वादे के विपरीत है। युद्ध को लेकर रिपब्लिकन पार्टी के भीतर ही मतभेद सामने आ रहे हैं, और कई नेता चुनाव को ध्यान में रखते हुए इसे जल्द खत्म करने की मांग कर सकते हैं। यही नही इसके परिणाम स्वरूप उनका राजनैतिक कैरियर भी ध्वस्त हो सकता है। इस युद्ध का वैश्विक स्तर पर जो असर दिखाई पड़ रहा है वह वाकई राष्टपति ट्रम्प की वैश्विक छबि खराब कर चुका है। ईरान पर हमले के बाद बाधित समुद्री मार्ग होर्मुज को ऊर्जा आपूर्ति के लिए सुरक्षित बनाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ने मित्र राष्ट्रों समेत अन्य देशों से वहां अपनी नौसेनाएं भेजने का जो आग्रह किया था, उस पर इन देशों की अनिच्छा भरी प्रतिक्रिया यही बताती है कि ट्रंप अलग-थलग पड़ते जा रहे हैं। जहां जापान और आस्ट्रेलिया ने होर्मुज जल मार्ग की सुरक्षा के लिए आगे आने में अनिच्छा प्रकट की, वहीं दक्षिण कोरिया ने कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रस्ताव पर विचार करेगा। यही नही जर्मनी ने तो दो टूक कह दिया कि नाटो का इस युद्ध से कोई लेना-देना नहीं। ऐसी प्रतिक्रियाओं से ट्रंप को किस तरह झटका लगा है, इसका प्रमाण यह है कि अब वे नाटो देशों को चेतावनी दे रहे हैं कि इस संगठन का भविष्य खतरे में पड़ सकता है, लेकिन उन्हें यह याद होना चाहिए कि उन्होंने ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की धमकी देकर इस संगठन के देशों के भरोसे को ठेस ही पहुंचाई थी।यह पहली बार नहीं, जब ट्रंप किसी मामले में अलग-थलग पड़े हों या फिर उन्हें वांछित समर्थन न मिला हो। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जब गाजा के विकास के लिए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को किनारे कर बोर्ड आफ पीस का गठन किया था और खुद उसके सर्वेसर्वा बन बैठे थे तो इस बोर्ड में भी नाटो देशों के साथ अन्य कई प्रमुख देश शामिल नहीं हुए थे। यह अब किसी से छिपा नहीं कि अमेरिका के मित्र देश भी ट्रंप के रवैये से आजिज आ चुके हैं और वे उनकी मनमानी के समक्ष झुकने के लिए तैयार नहीं। इसके लिए ट्रंप अपने अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकते। उन्होंने अपनी टैरिफ नीति से दुनिया को तंग ही किया है। सबसे अधिक तंग तो उन्होंने सहयोगी देशों को किया है। ट्रंप किस तरह मनमानी करते हैं, इसका उदाहरण अमेरिकी सेनाओं की ओर से वेनेजुएला पर हमला करना भी रहा। वेनेजुएला में अपनी कठपुतली सरकार बनाने के बाद उन्होंने इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर हमला बोल दिया। लगता है वे यह भूल गए कि ईरान वेनेजुएला नहीं है। ट्रंप भले ही बार-बार दोहरा रहे हों कि ईरान ने हार मान ली है, लेकिन सच यह है कि वह इजरायल के साथ खाड़ी देशों में उसके ठिकानों को निशाना बनाने में लगा हुआ है।उसकी रणनीति युद्ध को लंबा खींचने के साथ होर्मुज जल मार्ग बाधित कर दुनिया में ऊर्जा संकट बढ़ाने की जान पड़ती है। ट्रंप के पास ईरान की इस रणनीति का कोई जवाब नहीं दिख रहा है। ईरान ने खाड़ी के देशों में नागरिक ठिकानों पर हमले जारी रखकर ट्रंप की समस्या और बढ़ा दी है। उनका संकट केवल यही नहीं कि उन्हें अपेक्षित अंतरराष्ट्रीय समर्थन नहीं मिल रहा है, बल्कि यह भी है कि अमेरिका में भी उनका विरोध बढ़ता जा रहा है। ईरान संग युद्ध डोनाल्ड ट्रंप पर इस लिए भी भारी पड़ रहा है कि एक साथ उन्हें आर्थिक, कूटनीति, घरेलू समर्थन समेत कई मोर्चों पर मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है.ट्रंप ने फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन सहित कई देशों से युद्धपोत भेजने की अपील की, ताकि ईरानी हमलों के बीच वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित न हो. उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिका ईरान के प्रमुख तेल निर्यात केंद्र खर्ग द्वीप पर अतिरिक्त सैन्य कार्रवाई कर सकता है. इन बयानों से स्पष्ट है कि अमेरिका इस संघर्ष को केवल सैन्य ही नहीं, बल्कि व्यापक कूटनीतिक दबाव के माध्यम से भी नियंत्रित करने की कोशिश कर रहा है.आर्थिक मोर्चे पर भी यह संघर्ष ट्रंप के लिए गंभीर चुनौती बन गया है। होर्मुज स्ट्रेट में बाधा के कारण वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता बढ़ी है, जिससे ऊर्जा और उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हुई है. अमेरिकी मतदाता आमतौर पर आर्थिक संकेतकों से अधिक अपने रोजमर्रा के खर्च के आधार पर सरकार का मूल्यांकन करते हैं।

मुसलमान को ज्यादा से ज्यादा अफ्तार का एहतमाम करना चाहिए- मुफ्ती अबुल इरफान

लखनऊ (संवाददाता)। इंडियन राहत फाउंडेशन के अध्यक्ष इमरान खान उपाध्यक्ष जीशान खान, सचिव मो जुनैद अहमद ने तमाम मेहमानों का गुलदस्ता पेश कर खैर मखदम किया इस अवसर पर अबुल इरफान मियां फिरंगी महंली काजी शहर लखनऊ ने अपने खिताब में फरमाया कि रोजा रखने वाले को इफ्तार कराना बहुत सवाब का काम है। अल्लाह के रसूल ने फरमाया जो कोई रोजा रखने वाले को इफ्तार कराएगा, उसे उस रोजा रखने वाले के बराबर सवाब मिलेगा, और रोजा रखने वाले के सवाब में कोई कमी भी नहीं होगी। मुफ्ती अबुल इरफान मियां फिरंगी महली ने फरमाया कि रोजा गुनाहों को माफ कराता है, रोजा खुलवाने वाले को जन्नत में दाखिला मिलता है, रोजा खुलवाने से अल्लाह की रजा मिलती है और रोजा रखने का सवाब बढ़ता है। इसलिए हम सभी को अधिक से अधिक लोगों को इफ्ताघ्र में दावत देने का प्रयास करना चाहिए और नियमित व्यवस्था करनी चाहिए ताकि अल्लाह को राजी करना आसान हो और रोजा रखने वाले सभी लोगों की दुआएं हासिल हो सकें इमरान खान अध्यक्षइंडियन राहत फाउंडेशन ट्रस्ट ने अपने बयान में कहा कि प्रत्येक मुसलमान को अपनी क्षमता के अनुसार जनसेवा करनी चाहिए

गैस हो गई खत्म तो घर ले आएं ये प्रोडक्ट, सब्जी ही नहीं रोटी भी बनेगी मिनटों में

इन दिनों देश भर में घरेलू गैस सिलेंडर की किल्लत और बढ़ती कीमतों ने आम आदमी की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। सिलेंडर की कमी के कारण बहुत से लोग विकल्प के तौर पर इंडक्शन चूल्हा खरीदने पर जोर दे रहे हैं, लेकिन भारी मांग के कारण इनकी कीमतें आसमान छू रही हैं और कई ई-कॉमर्स वेबसाइट्स पर तो ये 'आउट ऑफ स्टॉक' हो चुके हैं। ऐसी स्थिति में 'इन्फ्रारेड कुकटॉप' आपके लिए एक अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। यह बिजली से चलने वाला एक ऐसा आधुनिक उपकरण है जो इंडक्शन की तुलना में कहीं अधिक वसेर्टाइल है। इसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसमें खाना बनाने के लिए आपको किसी विशेष 'इंडक्शन बेस' वाले बर्तन की जरूरत नहीं पड़ती। आप अपने घर में मौजूद साधारण एल्युमिनियम, स्टील, मिट्टी या कांच के बर्तनों का उपयोग भी इस पर आसानी से कर सकते हैं। इतना ही नहीं जहां इंडक्शन पर रोटी बनाने में परेशानी होती है वहीं इन्फ्रारेड कुकटॉप पर आसानी से रोटी भी बन सकता है।

इंडक्शन से बेहतर और किफायती विकल्प

इन्फ्रारेड कुकटॉप प्रकाश की किरणों का उपयोग कर सीधे बर्तन को गर्म करता है, जिससे गर्मी का नुकसान कम होता है।

इंडक्शन के विपरीत, इस पर आप गैस की तरह सीधे रोटी भी सेंक सकते हैं, जो भारतीय रसोई की मुख्य जरूरत है।

चूंकि इसके लिए नए बर्तन खरीदने का अतिरिक्त खर्च नहीं होता, इसलिए यह बजट के लिहाज से इंडक्शन से कहीं ज्यादा किफायती और शानदार विकल्प है।

रोटी और सब्जी बनाने में है उस्ताद

कई लोगों को लगता है कि इंडक्शन की तरह इलेक्ट्रिक चूल्हे पर रोटी बनाना मुश्किल है, लेकिन इन्फ्रारेड कुकटॉप पर तवे का उपयोग कर आप फूलती हुई रोटियां भी बना सकते हैं।

इसकी सतह पर तापमान को नियंत्रित करना बेहद आसान है, जिससे धीमी आंच पर सब्जी पकाना या तेज आंच पर पानी उबालना मिनटों का काम हो जाता है।

यह गैस के मुकाबले लगभग 30% तेजी से खाना पकाने में सक्षम है, जिससे आपका कीमती समय बचता है।

पोर्टेबिलिटी का बेजोड़ संगम

इन्फ्रारेड कुकटॉप 'चाइल्ड लॉक' और 'ओवरहीट प्रोटेक्शन' जैसे हाई-टेक फीचर्स के साथ आता है, जो इसे बच्चों वाले घरों के लिए सुरक्षित बनाता है।

यह आकार में काफी पतला और हल्का होता है, जिसे आप आसानी से कहीं भी ले जा सकते हैं या छोटे किचन में भी फिट कर सकते हैं।

इसका फ्लैट ग्लास टॉप साफ करना बेहद आसान है; बस एक गीले कपड़े से पोंछते ही यह नए जैसा चमकने लगता है।

इंफ्रारेड कुकटॉप के अन्य फायदे

गैस सिलेंडर की किल्लत और इंडक्शन की कमी के बीच इन्फ्रारेड कुकटॉप एक बेहतर विकल्प है।

यह न सिर्फ आज के किल्लत वाली स्थिति में काम आएगा, बल्कि लंबी अवधि में भी आपके एलपीजी खर्च को भी 20% तक कम कर सकता है।

आज की आधुनिक जीवनशैली में इंफ्रारेड कुकटॉप हर घर की जरूरत बनता जा रहा है।

गर्मियों में अवश्य करें गोंद कतीरा का सेवन, यहां जानें इसके क्या हैं फायदे

अगर आप चाहते हैं कि गर्मी के मौसम में आपके शरीर में गर्मी से कोई दिक्कत न हो तो गोंद कतीरा का सेवन शुरू कर दें। यहां हम आपको बताएंगे इसके सेवन से आपको क्या लाभ मिलेंगे। मार्च का महीना चल रहा है लेकिन अभी से बढ़ती गर्मी ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। गर्मी के मौसम में हीट स्ट्रोक की समस्या भी बेहद आम हो जाती है। इस दौरान अक्सर लोग अत्यधिक पसीना, थकान, चक्कर या पेट की समस्या जैसी परेशानियों का सामना करते हैं। ऐसे में शरीर को ठंडक देने वाले प्राकृतिक उपाय बेहद कारगर साबित होते हैं। गोंद कतीरा एक ऐसा ही आयुर्वेदिक और प्राकृतिक तत्व है, जो गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडक पहुंचाने और गर्मी से होने वाली परेशानियों को कम करने में मदद करता है। इसका सेवन आसानी से किया जा सकता है। इसके सेवन से आपके शरीर को क्या लाभ मिलता है, यहां हम इसी बारे में जानकारी देंगे।

शरीर को देता है ठंडक

गर्मियों में जब हीट स्ट्रेस और अत्यधिक पसीना होना आम बात है।

ऐसे समय में ये शरीर को प्राकृतिक ठंडक प्रदान करता है।

इसके नियमित सेवन से शरीर की गर्मी कम होती है।

इससे थकान, चक्कर या चिड़चिड़ापन जैसी परेशानियों से राहत मिलती है।

पाचन तंत्र के लिए लाभकारी

गोंद कतीरा पाचन तंत्र के लिए भी बहुत लाभकारी है।

ये पेट की गर्मी और एसिडिटी को कम करता है।

जब पाचन तंत्र मजबूत होता है तो भोजन आसानी से पचता है और पेट में गैस नहीं होती।

पानी की कमी पूरा करता है

गर्मियों में पानी की कमी जल्दी हो जाती है, जिसको गोंद कतीरा दूर करता है।

थकान दूर करता है

थकान कम करने में ये बेहद प्रभावी है।

ये लंबे समय तक ऊर्जा बनाए रखने और मानसिक ताजगी बनाए रखने के लिए फायदेमंद रहता है।

वजन रखता है नियंत्रण में

गोंद कतीरा मोटापा और वजन नियंत्रित करने में मदद करता है।

ये मेटाबॉलिज्म को संतुलित रखता है।

गोंद कतीरा शरीर की जरूरत के अनुसार ऊर्जा देता है।

अगर आप एक महीने में अपने शरीर को मजबूत और एक्टिव बनाना चाहते हैं तो दूध में सिर्फ एक चीज मिलाकर प्रतिदिन पीना शुरू करें। इस लेख में आपको इस खास ड्रिंक को पीने के फायदे भी हम बताएंगे। अगर आप एक महीने में अपने शरीर को मजबूत, एक्टिव और ऊर्जावान बनाना चाहते हैं, तो आपको अपनी डाइट में एक छोटे लेकिन बेहद असरदार बदलाव की जरूरत है। दरअसल हम में से ज्यादातर लोग जिम जाते समय या भारी व्यायाम के साथ-साथ सप्लीमेंट्स लेने की सोचते हैं, लेकिन आपको समझने की जरूरत है कि आप बिना किसी सप्लीमेंट के भी अपने शरीर को पोषण तत्व दे सकते हैं। इसके लिए आपको हर दिन दूध में एक चीज डालकर पीना शुरू करना होगा। ये एक चीज है मखाना, जो आपको बाजार में बेहद आसानी से मिल जाएगा। सिर्फ रोजाना एक गिलास मखाने वाला दूध आपकी सेहत में चमत्कारिक बदलाव ला सकता है। यहां हम आपको इन फायदों के बारे में जानकारी देंगे।

हड्डियों को मजबूत बनाए

मखाने में कैल्शियम और प्रोटीन भरपूर मात्रा में होते हैं।

दूध के साथ सेवन करने पर यह हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

रोजाना इसका सेवन करने से हड्डियों की कमजोरी दूर होती है।

इसके सेवन से जोड़ों के दर्द से राहत मिल सकती है।

वजन नियंत्रित करने में मददगार

मखाने वाला दूध पेट को लंबे समय तक भरा रखता है।

इसमें कैलोरी कम और पोषण अधिक होता है।

इसके सेवन से आप बिना भूख लगे वजन को नियंत्रित कर सकते हैं।

ऊर्जा बढ़ाए और थकान दूर करे

इस ड्रिंक में प्रोटीन, फाइबर और मिनरल्स मौजूद होते हैं।

ये सभी तत्व थकान को कम करते हैं और शरीर में एनर्जी लेवल बढ़ाते हैं।

इसे खासकर सुबह या शाम के समय पिया जाए तो ये एक बेहतरीन ड्रिंक है।

हृदय को स्वस्थ रखे

मखाने में एंटीऑक्सीडेंट और पॉलीफेनोल्स पाए जाते हैं।

ये दोनों तत्व आपके दिल की सेहत के लिए अच्छे हैं।

इस दूध के नियमित सेवन से रक्तचाप नियंत्रित रहता है।

इससे दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है।

हेल्थ एंड फिटनेस

अकएनालिसिस कर सकता है, तो अब कंपनियों में टइअ२ को किस लिए हायर किया जा रहा है?

अकएनालिसिस कर सकता है, तो अब कंपनियों में टइअ२ को किस लिए हायर किया जा रहा है?

त्वचा और बालों को पोषण दे

मखाने और दूध का संयोजन विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होता है।

यह त्वचा को नर्म, चमकदार बनाता है।

इसके सेवन से बालों की जड़ें भी धीरे-धीरे मजबूत होती हैं।

खराब नींद से लेकर बिगड़े पाचन तक, शरीर के ये 5 संकेत बताते हैं कि 'कुछ गड़बड़ है'

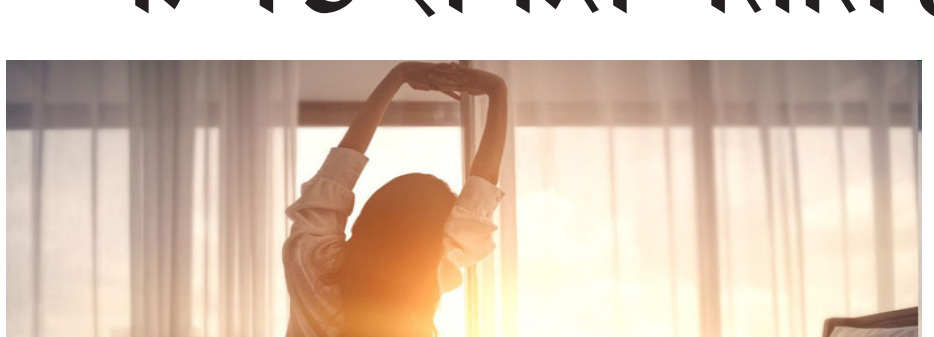

हर किसी को ये समझने की जरूरत है कि आपका शरीर पूरी तरह से बीमार होने के पहले कुछ संदेश देता है। अगर आपने ये संदेश समझ लिए तो आपको ज्यादा दिक्कत नहीं होगी। हमारा शरीर हमारी सेहत का सबसे बड़ा संकेतक होता है। अक्सर हम छोटी-छोटी स्वास्थ्य समस्याओं को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन हम सभी को ये समझने की जरूरत है कि ये संकेत हमारे शरीर की गहरी जरूरतों और चेतावनी का हिस्सा हो सकते हैं। कई बार तो ये संकेत सिर्फ किसी छोटी दिक्कत नहीं, बल्कि किसी गंभीर बीमारी की प्रारंभिक चेतावनी भी हो सकते हैं। समय पर इन्हें पहचानकर हम बड़ी परेशानियों से बच सकते हैं। यदि आप अपने शरीर के इन संकेतों को समझना सीख लें, तो आप न केवल अपनी सेहत को सुधार सकते हैं, बल्कि गंभीर रोगों से भी बच सकते हैं। इस लेख में हम ऐसे पांच प्रमुख संकेतों पर विस्तार से चर्चा करेंगे, जो बताते हैं कि आपके शरीर में कुछ गड़बड़ है।

पहला संकेत

सबसे पहले ये बात गांठ बांध लें कि लगातार थकान महसूस होना सिर्फ रोजमर्रा की थकान नहीं होती।

अगर आप पर्याप्त नींद लेने के बाद भी थके हुए महसूस कर रहे हैं, तो ये शरीर में पोषण की कमी का संकेत है।

इतना ही नहीं ये एनीमिया, थायरॉइड की समस्या या रक्त संबंधी किसी बीमारी का संकेत हो सकता है

अगर लंबे समय तक थकान बनी रहे तो डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है।

दूसरा संकेत

त्वचा पर अचानक दाने, खुजली, लालिमा या रंग बदलना शरीर की अंदरूनी समस्या की चेतावनी हो सकता है।

ये किसी प्रकार की एलर्जी, विटामिन की कमी, लीवर की समस्या या हार्मोनल असंतुलन के कारण हो सकता है।

ऐसे में त्वचा की नियमित सफाई और मॉइस्चराइजिंग करना, एलर्जिक पदार्थों और हानिकारक केमिकल से बचना जरूरी है।

ऐसी दिक्कत में विटामिन अ, उ और ए युक्त आहार लेना लाभकारी होता है।

अगर समस्या लगातार बनी रहे, तो डमेटोलॉजिस्ट से सलाह लेना जरूरी है।

तीसरा संकेत

बिना डाइट या एक्सरसाइज के वजन बढ़ना या घटना शुगर, थायरॉइड या हार्मोनल असंतुलन का संकेत हो सकता है।

अचानक वजन घटना कभी-कभी गंभीर रोग जैसे कैंसर या डायबिटीज की ओर भी इशारा करता है।

वजन ट्रैक करना और किसी भी असामान्य बदलाव को नोट करना, संतुलित आहार और नियमित व्यायाम अपनाना मदद करता है।

लंबे समय तक असामान्य वजन परिवर्तन होने पर डॉक्टर से हार्मोन और ब्लड टेस्ट कराना जरूरी है।

चौथा संकेत

अगर आपको नींद नहीं आती और आप पूरी रात करवट बदलते हैं तो इसे भी गंभीर तरह से लें।

ये दिक्कत मानसिक स्वास्थ्य, स्ट्रेस या हार्मोनल असंतुलन का संकेत हो सकती है।

नींद न आने से मानसिक तनाव बढ़ता है और ऊर्जा कम हो जाती है।

लगातार नींद की समस्या होने पर डॉक्टर से नींद विशेषज्ञ से परामर्श लेना जरूरी है।

पांचवां संकेत

कब्ज, गैस, अपच या बार-बार पेट में ऐंठन होना पाचन तंत्र या लीवर की समस्या का संकेत हो सकता है।

कभी-कभी यह लार्ज इंटेस्टाइन या पेट में इंफेक्शन की शुरूआती चेतावनी भी हो सकती है।

अगर पाचन समस्या लंबे समय तक बनी रहे, तो गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट से जांच कराना जरूरी है।

नवरात्रि में 9 दिन करें इन 9 चीजों का दान , रातों रात ही बदल जाएगी किस्मत

नवरात्रि का पर्व सिर्फ पूजा-पाठ ही नहीं, बल्कि दान-पुण्य के लिए भी बेहद शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन 9 दिनों में जरूरतमंदों को दान देने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। कहा जाता है कि अगर नवरात्रि के हर दिन विशेष चीजों का दान किया जाए, तो किस्मत भी बदल सकती है और जीवन की परेशानियां दूर हो सकती हैं।

9 दिन करें इन चीजों का दान

पहला दिनः घी का दानः घी का दान करने से शरीर स्वस्थ रहता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

दूसरा दिनः शक्कर या मिश्रीः इस दिन मीठा दान करने से जीवन में मधुरता और रिश्तों में प्यार बढ़ता है।

तीसरा दिनः दूध या दूध से बनी चीजेंः दूध का दान करने से मानसिक शांति और सुख मिलता है।

चौथा दिनः फल का दानः फल दान करने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है और घर में खुशहाली आती है।

पांचवां दिनः अनाज (चावल,गेहूं)ः अनाज का दान बहुत पुण्यकारी माना जाता है, इससे धन-धान्य में वृद्धि होती है।

छठा दिनः शहद या गुड़ः यह दान करने से जीवन में मिठास और सकारात्मकता आती है।

सातवां दिनः लाल वस्त्रः मां दुर्गा को लाल रंग प्रिय है, इसलिए लाल कपड़े दान करने से मां का आशीर्वाद मिलता है।

आठवां दिनः नारियल और मिठाईः अष्टमी के दिन नारियल और मिठाई का दान करने से विशेष फल मिलता है।

नौवां दिनः कन्या पूजन और भोजनः नवमी के दिन छोटी कन्याओं को भोजन कराना और उन्हें उपहार देना सबसे शुभ माना जाता है।

दान करते समय ध्यान रखें

दान हमेशा सच्चे मन और श्रद्धा से करें, जरूरतमंद व्यक्ति को ही दान दें, दिखावे के लिए दान न करें। धार्मिक मान्यता है कि नवरात्रि में किया गया दान कई गुना फल देता है। इससे न सिर्फ पापों का नाश होता है, बल्कि घर में सुख, शांति और समृद्धि भी आती है। नवरात्रि के इन 9 दिनों में छोटा-सा दान भी आपकी किस्मत बदल सकता है, बस भावना सच्ची होनी चाहिए।

नवरात्रि के बीच में अगर पीरियड आ जाए तो क्या करें? इन नियमों का रखें ध्यान

नवरात्रि के पावन अवसर पर महिलाएं व्रत और पूजा का विशेष ध्यान रखती हैं। लेकिन कई बार नवरात्रि के बीच में अचानक मासिक धर्म (पीरियड) आ जाने से वे असमंजस में पड़ जाती हैं कि अब व्रत कैसे करें या पूजा में शामिल हो सकती हैं या नहीं। मासिक धर्म एक सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है, लेकिन नवरात्रि जैसे धार्मिक समय पर इसके साथ जुड़े कुछ खास नियम और परंपराएं होती हैं। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि यदि नवरात्रि के दौरान पीरियड आ जाए तो आपको किन नियमों का पालन करना चाहिए और किस तरह से आप अपने व्रत और पूजा को सही तरीके से निभा सकती हैं।

मासिक धर्म क्या है?

मासिक धर्म एक सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है जो हर महिला के शरीर में होती है। यह लगभग हर महीने एक निश्चित दिन होती है, लेकिन कभी-कभी शरीर की स्थिति के कारण यह पहले या बाद में भी हो सकती है।

नवरात्रि में मासिक धर्म हो जाए तो क्या करें?

यदि नवरात्रि के बीच में मासिक धर्म शुरू हो जाए, तो पहली चार दिन तक महिलाएं पूजा स्थल पर ना जाएं और पूजा सामग्री को ना छुएं। यह साफ-सफाई और पवित्रता बनाए रखने के लिए जरूरी है। इस दौरान महिलाएं मानसिक रूप से पूजा कर सकती हैं। यानी घर पर बैठकर मन ही मन माता की पूजा और व्रत कर सकती हैं। इससे व्रत का पूरा फल मिलता है। पांचवें दिन से महिलाएं फिर से पूजा और व्रत में भाग ले सकती हैं। पूजा स्थल और सामग्री से जुड़ी बातें। पीरियड वाली महिलाएं पूजा स्थल पर नहीं जा सकतीं। उन्हें पूजा की सामग्री छूने से बचना चाहिए। माता के भोग की सफाई या भोग लगाने का काम भी पीरियड में नहीं करना चाहिए।

कन्या पूजन और हवन के नियम

यदि मासिक धर्म चार दिन से अधिक चलता है, तो महिलाओं को खुद कन्या पूजन या हवन नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति में ये काम पति या परिवार के किसी सदस्य से करवाना चाहिए।

विशेष परिस्थिति में क्या करें?

अगर घर में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो कन्या पूजन या हवन कर सके, तो महिलाएं नवरात्रि के बजाय पूर्णिमा की तिथि पर ये पूजा कर सकती हैं। मासिक धर्म के दौरान पहली चार दिन पूजा स्थल पर ना जाएं। पांचवें दिन से पूजा में शामिल हो सकती हैं। मानसिक रूप से पूजा करें। पूजा सामग्री और भोग को छूना या साफ करना वर्जित है। कन्या पूजन और हवन पति या परिवार से करवाएं। इस प्रकार, नवरात्रि में मासिक धर्म आने पर भी महिलाएं अपने व्रत और पूजा का पालन कर सकती हैं, बस कुछ नियमों का ध्यान रखना आवश्यक है।

बाथम वैश्य सभा लखनऊ का होली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन

लखनऊ (संवाददाता)। बाथम वैश्य सभा लखनऊ द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह माधव सभागार, लखनऊ में उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज के अनेक सदस्यों, महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने परिवार सहित भाग लिया और एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। पूरे सभागार में रंग, उमंग और आपसी सौहार्द का माहौल देखने को मिला। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि हरसरन लाल गुप्ता (चेयरमैन राजधानी नगर सहकारी बैंक) द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार ही नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता का प्रतीक भी है। इस अवसर पर सभा के संरक्षक रामचंद्र गुप्ता और अरुण कुमार ने कहा कि समाज की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को सहेजना हम सभी की जिम्मेदारी है। वहीं सभा के अध्यक्ष अतुल गुप्ता ने कहा कि होली मिलन जैसे कार्यक्रम समाज के लोगों को एक मंच पर लाकर आपसी संबंधों को मजबूत करते हैं और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से परिचित कराते हैं। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री मनीष गुप्ता, सुभाष गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया।

चोट ने बिगाड़ी रफ्तार के सौदागर की लय; दो साल में महज छह आईपीएल मैच खेले

लखनऊ। आईपीएल 2026 में मयंक यादव पर सबकी नजरें होंगी। लखनऊ ने उनका वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह पुरानी लय में दिख रहे हैं। अगर यह गेंदबाज चला तो अच्छे-अच्छे बल्लेबाजों के पसीने छूट सकते हैं। मयंक के फॉर्म में लौटने से टीम इंडिया को भी फायदा होगा। आईपीएल 2026 की शुरूआत 28 मार्च से होने जा रही है। टी20 के इस महाकुंभ का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दुनिया की इस सबसे बड़ी टी20 लीग में खिलाड़ियों को अपना हुनर दिखाने का बेहतरीन मौका मिलता है। इस लीग में शानदार प्रदर्शन खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में जगह भी दिलवाता है। रविचंद्रन अश्विन, जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पांड्या, ग्लेन मैक्सवेल और शॉन मार्श, कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें आईपीएल ने फर्श से अर्श पर पहुंचाया। इस लीग से कई सितारे उभरते हैं और इन्हीं सितारों में एक नाम ऐसा भी है, जिसने अपनी रफ्तार से दुनिया को हैरान तो किया, लेकिन पिछले कुछ समय से क्रिकेट की चकाचौंध से गायब है। हम बात कर रहे हैं मयंक यादव की। मयंक को आईपीएल में रफ्तार का सौदागर कहा गया। हालांकि, पिछले दो आईपीएल सत्र में वह सिर्फ छह मैच ही खेल सके हैं। उनका ज्यादातर समय बंगलूरू में बीसीसीआई के रिहैब सेंटर में ही बीता है। हालांकि, इस साल इस रफ्तार के सौदागर के पास अपनी छाप छोड़ने का अच्छा

मौका है। दो साल चोट से ज्यादातर समय जूझने के बाद, मयंक अब आईपीएल में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। 2024 में मयंक ने किया था आईपीएल डेब्यू दरअसल, आईपीएल 2022 के ऑक्शन में लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) ने दिल्ली के एक तेज गेंदबाज पर दांव खेला। 20 लाख के बेस प्राइस में मयंक यादव लखनऊ के खेमे में शामिल हुए। साल 2022 और 2023 में मयंक को अपनी रफ्तार दिखाने का मौका नहीं मिला था। हालांकि, एलएसजी में मयंक को एक ऐसे तेज गेंदबाज के तौर पर तैयार किया जा रहा था, जो बल्लेबाजों के लिए बड़ी परेशानी बनने वाले थे। मयंक को आईपीएल 2024 में पहली बार मौका मिला और उनकी रफ्तार ने हर टीम और बड़े से बड़े बल्लेबाज को चौंका दिया। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने पहले मैच में 27 रन देकर तीन विकेट झटके और प्लेयर ऑफ द मैच बने। शुरूआती दो मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच बने दो अप्रैल, 2024 को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ खेले गए मुकाबले में मयंक ने एक गेंद डाली, जिसकी रफ्तार 156.7 किलोमीटर प्रति घंटा थी। यह इस सीजन की सबसे तेज गेंद भी रही। आईपीएल 2024 में मयंक यादव ने कुल चार मुकाबले खेले और सात विकेट निकाले। इन चार मुकाबलों में ही मयंक इंडियन प्रीमियर लीग में अपनी छाप छोड़ने में सफल रहे। मयंक के आगे बड़े से बड़े बल्लेबाज इस सीजन बेबस दिखाई दिए थे, लेकिन इंजरी ने सारा काम खराब कर दिया। मयंक चोट के चलते आईपीएल 2024 से बाहर हो गए। मयंक अपने शुरूआती दोनों आईपीएल मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। मयंक टीम इंडिया में भी चुने गए हालांकि, चोट से वह अक्तूबर, 2024 में उबर गए और उनकी रफ्तार ने भारतीय चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। मयंक को भारतीय टी20 टीम में जगह दी गई। वह अक्तूबर में बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में खेले और पांच विकेट लिए। ऐसा कहा जाने लगा कि भारत को एक नया सितारा मिल गया है। यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए उनके चयन की मांग भी होने लगी। इसमें कोई दो राय नहीं थी कि मयंक पर्थ जैसी पिचों पर बेहद घातक साबित हो सकते थे। मयंक उस वक्त सबसे ज्यादा चर्चा में थे, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। मयंक एक बार फिर चोटिल हो गए और फिर रिहैब से गुजरे। ज्यादातर समय बाहर रहने के बावजूद लखनऊ फ्रेंचाइजी ने उन पर भरोसा जताया और मेगा नीलामी से पहले मयंक को 11 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। 2025 में सिर्फ दो मैच खेल सके थे हालांकि, आईपीएल 2025 में मयंक ने लखनऊ के लिए शुरूआती कुछ मैच छोड़ने के बाद वापसी की। उस साल भी मयंक की यही कहानी रही। इस सीजन लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए मयंक ने सिर्फ दो मैच खेले और बैक इंजरी के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। मयंक की गेंदबाजी में धार और रफ्तार दोनों नजर आई, लेकिन वह दोनों सीजन में खुद को इंजरी से दूर नहीं रख सके। मयंक ने आईपीएल में दो साल में अब तक कुल छह मुकाबले खेले हैं और वह नौ विकेट निकालने में सफल रहे हैं। हालांकि, इंजरी ने मयंक की लय बिगाड़ने का काम किया है। आईपीएल 2024 में मयंक की गेंदबाजी इकोनॉमी 6.98 की रही थी। हालांकि, आईपीएल 2025 में उनकी इकोनॉमी सीधे 12.50 पर पहुंच गई थी। चोट ने उनकी लय पूरी तरह से बिगाड़ कर रख दी। इस तरह बिगड़ी मयंक की लय अगर घरेलू, अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल, तीनों टूर्नामेंट्स को मिलाकर देखें तो मयंक ने आईपीएल 2024 की शुरूआत से लेकर अब तक कुल 11 मैच खेले हैं। इनमें आईपीएल के छह मैच, भारत के लिए तीन टी20 मैच और इंडिया-ए के लिए दो मैच शामिल हैं। 2025 में आईपीएल से बाहर होने के बाद मयंक ने सीधे इस साल फरवरी में क्रिकेट के मैदान पर वापसी की। वह टी20 विश्वकप से पहले इंडिया-ए के लिए अमेरिका और नामीबिया के खिलाफ खेलते दिखे थे। अमेरिका के खिलाफ उन्होंने कोई विकेट नहीं लिया, जबकि नामीबिया के खिलाफ दो विकेट लिए थे। छाप छोड़ने को बेकरार होंगे मयंक दो सीजन इंजरी से जूझने के बाद आईपीएल 2026 में मयंक अपनी छाप छोड़ने को बेकरार होंगे। लखनऊ सुपर जाएंट्स ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर मयंक का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में मयंक की गेंदबाजी में वही रफ्तार और दमखम नजर आ रहा है, जिसके लिए वह जाने जाते हैं। आईपीएल के 19वें सीजन में मयंक के पास एक बार फिर जोरदार वापसी करने का सुनहरा मौका होगा। लंबे समय से मयंक पर भरोसा जता रही लखनऊ की टीम इस सीजन अपने इस युवा तेज गेंदबाज से दमदार प्रदर्शन की उम्मीद जरूर करेगी। हालांकि, मयंक के लिए यह जरूरी होगा कि वह खुद को इस सीजन इंजरी से बचाकर रखें।

इस स्टार ने टीम से बाहर किए जाने पर निकाली भड़ास मैकुलम पर क्यों लगाए गंभीर आरोप?

नई दिल्ली। इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन ने टीम प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें टीम से बाहर करने के फैसले की जानकारी केवल एक छोटे फोन कॉल से दी गई। लिविंगस्टोन ने कोच ब्रैंडन मैकुलम और रॉब की पर संवाद और सम्मान की कमी का आरोप लगाया। इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन ने टीम प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा कोचिंग सेट-अप में खिलाड़ियों के साथ सही संवाद और सम्मान की कमी है। लिविंगस्टोन ने यह भी संकेत दिया कि मौजूदा व्यवस्था में उनकी

इंग्लैंड टीम में वापसी मुश्किल हो सकती है। ईएसपीएन-क्रिकइन्फो को दिए इंटरव्यू में लिविंगस्टोन ने टीम से बाहर किए जाने की प्रक्रिया और उससे जुड़े अनुभवों को साझा किया, जिसने इंग्लैंड क्रिकेट में नई बहस छेड़ दी है। लिविंगस्टोन ने अपना पिछला अंतरराष्ट्रीय मैच फरवरी 2025 में भारत के खिलाफ खेला था। यह एक टी20 मैच था। इसके बाद से इंग्लैंड के टी20 सेटअप में उनकी जगह विल जैक्स खेल रहे हैं। जैक्स ने हाल ही में हुए टी20 विश्वकप में भी शानदार प्रदर्शन किया था। ऐसे में लिविंगस्टोन की वापसी की उम्मीदें बेहद कम हैं। 'फोन पर दी गई टीम से बाहर होने की खबर' लिविंगस्टोन ने बताया कि मार्च 2025 में खराब फॉर्म के कारण उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था। हालांकि, जिस तरीके से उन्हें यह सूचना दी गई, उससे वह काफी हैरान थे। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम का फोन आया और वह कॉल एक मिनट से भी कम समय का था। लिविंगस्टोन ने कहा, 'मैंने पूछा कि मुझे क्यों बाहर किया गया। उन्होंने कहा कि वे किसी और को मौका देना चाहते हैं। यह बात बैज (मैकुलम) ने कही थी। चयनकर्ता ल्यूक राइट ने मुझसे संपर्क नहीं किया और कप्तान हैरी ब्रूक ने सिर्फ एक मैसेज भेजा।' उनका मानना है कि इस घटना ने टीम के माहौल को लेकर उनकी सोच बदल दी। ईसीबी प्रबंधन पर भी उठाए सवाल लिविंगस्टोन ने इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड के प्रबंध निदेशक रॉब की पर भी संवाद की कमी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'कीसी (रॉब की) ने कुछ नहीं कहा। उन्होंने बस इतना कहा कि गर्मियों में बात करेंगे। मैंने एक दिन उन्हें फोन किया तो उन्होंने कहा कि वह लॉफबोरो में टेस्ट कैंप में व्यस्त हैं। इसके बाद सितंबर के अंत तक उनसे कोई बात नहीं हुई।' लिविंगस्टोन के मुताबिक, यह अनुभव उनके लिए आंखें खोल देने वाला था। 'अगर टीम में हो तो सब ठीक, नहीं तो कोई परवाह नहीं' इंग्लैंड के इस ऑलराउंडर का कहना है कि मौजूदा टीम माहौल में खिलाड़ियों के साथ व्यवहार काफी अलग-अलग है।

फर्ग्यूसन-सियर्स के आगे द. अफ्रीकी बल्लेबाजों ने घुटने टेके

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है। दोनों टीमों के बीच तीसरा मुकाबला 20 मार्च को ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड ने मंगलवार को सेडन पार्क में खेले गए दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 68 रनों से हराया। न्यूजीलैंड से मिले 176 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम सिर्फ 15.3 ओवर में 107 रन बनाकर सिमट गई। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड

ने सीरीज को 1-1 से बराबर कर दिया है। न्यूजीलैंड की शुरूआत अच्छी नहीं रही थी 176 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरूआत अच्छी नहीं रही। विकेटकीपर-बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजेन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 12 गेंदों में आठ रन बनाकर आउट हुए। वियान मुल्डर भी 16 रन बनाकर मिचेल सैंटनर का शिकार बने। टॉनी डी जॉर्जी का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा, और वह चार गेंदों में सिर्फ एक ही बना सके। रुबिन हरमन 12 गेंदों में 19 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जेसन स्मिथ 12 रन बनाकर मिचेल सैंटनर की गेंद पर बेन सियर्स को कैच देकर पवेलियन लौटे। लिंडे को बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिला जॉर्ज लिंडे ने 12 गेंदों में 33 रन बनाए, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल सका। केशव महाराज और नकोबानी मोकोएना बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। गेंदबाजी में न्यूजीलैंड की ओर से बेन सियर्स ने सिर्फ 14 रन खर्च करते हुए तीन विकेट अपने नाम किए। वहीं, लोकी फर्ग्यूसन ने 3.3 ओवर के स्पेल में 16 रन देकर तीन विकेट चटकाए। कॉनवे ने बेहतरीन पारी खेली इससे पहले टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड टीम ने 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 175 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। टीम की तरफ से डेवोन कॉनवे ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 49 गेंदों में पांच चौके और दो छक्कों की मदद से 60 रन बनाए। टॉम लाथम 11 रन बनाकर आउट हुए, तो टिम रॉबिन्सन को जॉर्ज लिंडे ने महज एक रन के स्कोर पर क्लीन बोल्ड करते हुए पवेलियन भेजा।

युवा जोश बनाम बड़े सितारे, दिलचस्प होगी टक्कर आईपीएल 2026 के 5-5 सबसे युवा और सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

हैदराबाद। आईपीएल 2026 में एक दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलेगा, जहां युवा जोश का सामना अनुभवी सितारों से होगा। इस सीजन में कुछ खिलाड़ी 19 साल से भी कम उम्र के हैं, जबकि दूसरी ओर कई दिग्गज खिलाड़ी अपने अनुभव के दम पर मैदान में उतरेंगे। यहां पांच सबसे युवा और पांच सबसे उम्रदराज खिलाड़ियों पर नजर डालते हैं। आईपीएल के 19वें सीजन यानी आईपीएल 2026 की शुरूआत 28 मार्च से होने जा रही है। इस सीजन के पहले मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की भिड़ंत एम चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) से होनी है। दुनिया की सबसे लोकप्रिय टी20 लीग में इस बार युवा जोश बनाम अनुभव, यानी एक खास मुकाबला देखने को मिलेगा। एक ओर ऐसे खिलाड़ी हैं जिनकी उम्र 19 साल से भी कम है और जो पहली बार इतने बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने को तैयार हैं, वहीं दूसरी तरफ कई अनुभवी दिग्गज हैं जो वर्षों के अनुभव के साथ मैदान में उतरेंगे। यही वजह है कि आईपीएल 2026 में नई पीढ़ी और पुराने सितारों के बीच दिलचस्प टक्कर देखने को मिल सकती है। आइए जानते हैं इस सीजन के पांच सबसे युवा और पांच सबसे उम्रदराज खिलाड़ियों के बारे में... वैभव सूर्यवंशीः आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी सबसे युवा खिलाड़ी के तौर पर उतरेंगे। वैभव की उम्र अभी सिर्फ 14 साल है। पिछले सीजन वैभव ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से हर किसी को खासा प्रभावित किया था। गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में वैभव ने आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक लगाया था। उन्होंने 35 गेंदों में शतक लगाया था। वैभव ने 7 मुकाबलों में 206 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 252 रन बनाए थे। आयुष म्हात्रेः 16 जुलाई 2007 को जन्मे चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज आयुष म्हात्रे आईपीएल 2026 में खेलने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी होंगे। फिलहाल आयुष की उम्र 18 साल 160 दिन है। आयुष के लिए पिछला सीजन शानदार रहा था। उन्होंने 7 मुकाबलों में 188 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 240 रन बनाए थे। आयुष से चेन्नई सुपर किंग्स को इस सीजन दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। साहिल पारिखः आईपीएल 2026 में हिस्सा लेने वाले साहिल पारिख तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी होंगे। साहिल की उम्र फिलहाल 18 साल 199 दिन है। साहिल को दिल्ली कैपिटल्स ने ऑक्शन में 30 लाख रुपये की बोली लगाते हुए अपनी टीम में शामिल किया है। आगामी सीजन में साहिल से दिल्ली को बढ़िया प्रदर्शन की उम्मीद होगी। सात्विक देसवालः आईपीएल 2026 के लिए हुए ऑक्शन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने सात्विक देसवाल को 30 लाख में खरीदा था। सात्विक इस सीजन खेलने वाले चौथे सबसे युवा खिलाड़ी होंगे। उनकी उम्र 18 साल 275 दिन है। सात्विक बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज हैं। सात्विक को अगर प्लेइंग इलेवन में मौका मिलता है, तो वह अपनी गेंदबाजी से छाप जरूर छोड़ना चाहेंगे। विहान मल्होत्राः अंडर-19 वर्ल्ड कप में अपनी बल्लेबाजी से हर किसी को प्रभावित करने वाले विहान मल्होत्रा आईपीएल 2026 में हिस्सा लेने वाले पांचवें सबसे युवा खिलाड़ी होंगे। विहान की फिलहाल उम्र 18 साल 356 दिन है। विहान को आरसीबी ने 30 लाख में खरीदा है। एमएस धोनीः आईपीएल 2026 में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी के तौर पर चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान एमएस धोनी मैदान पर उतरेंगे। धोनी की उम्र 44 साल है। पिछले दो सीजन से धोनी बल्लेबाजी क्रम में काफी नीचे बैटिंग करने आ रहे हैं। आईपीएल 2025 में धोनी का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। वह 14 मुकाबलों में 135 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ 196 रन ही बना सके थे। रोहित शर्माः मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा आईपीएल 2026 में खेलने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होंगे। रोहित इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन में 38 साल की उम्र में खेलेंगे। रोहित के लिए पिछला सीजन बल्ले से शानदार रहा था। उन्होंने 15 मुकाबलों में 149 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 418 रन बनाए थे। विराट कोहलीः रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को पिछले सीजन पहला खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले विराट कोहली आईपीएल 2026 में खेलने वाले तीसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होंगे। आगामी सीजन में कोहली 37 साल की उम्र में खेलते हुए नजर आएंगे। आईपीएल 2025 में खेले 15 मुकाबलों में विराट ने 144 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 657 रन बनाए थे। ईशांत शर्माः आईपीएल 2026 में ईशांत शर्मा 37 साल की उम्र में हिस्सा लेंगे। ईशांत गुजरात टाइटंस की तरफ से खेलते हुए नजर आएंगे। हालांकि, आईपीएल 2025 में ईशांत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। वह 7 मुकाबलों में सिर्फ 4 विकेट निकाल सके थे और उनका गेंदबाजी इकोनॉमी भी 11.18 का रहा था।

मलिंगा-कोहली या गेल नहीं, डिविलियर्स ने इन्हें टी20 का महानतम खिलाड़ी बताया

नई दिल्ली। क्रिकेट कमेंटेटर निखिल ने वीडियो शेयर किया है। उन्होंने बताया कि उन्हें लगा था कि एबीडी वॉटसन, मलिंगा या फिर गेल का नाम लेंगे, लेकिन उन्होंने कुछ ऐसा नाम लिया, जिसे सुनकर वह भी चौंक गए। एबीडी का यह दावा पूरी तरह सही साबित हो रहा है। टी20 क्रिकेट में महानतम खिलाड़ी को लेकर बहस हमेशा से होती रही है। कोई विराट कोहली को सर्वश्रेष्ठ मानता है, तो कोई क्रिस गेल की विस्फोटक बल्लेबाजी को टी20 का असली चेहरा बताता है। वहीं लसिथ मलिंगा जैसे घातक गेंदबाजों का भी इस फॉर्मेट में बड़ा

दबदबा रहा है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने टी20 क्रिकेट के महानतम खिलाड़ी को लेकर एक अलग ही राय दी है। दिलचस्प बात यह है कि खुद डिविलियर्स का नाम भी टी20 के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में शुमार हैं। हालांकि, उन्होंने न तो खुद का, न कोहली, न गेल और न ही मलिंगा का नाम लिया। डिविलियर्स ने एक वीडियो में ऐसे भारतीय गेंदबाज को टी20 का सबसे महान बताया, जिसका नाम सुनकर बड़े बड़े बल्लेबाज कांप जाते हैं। उस गेंदबाज का नाम है- जसप्रीत बुमराह। वीडियो में क्या है? क्रिकेट कमेंटेटर निखिल उत्तमचंदानी ने एक पुराना वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो के कैप्शन में निखिल ने लिखा, 'एबीडी को पहले से पता था बुमराह महान हैं। उनके इस बयान के बाद बुमराह टीम इंडिया को दो-दो टी20 विश्वकप खिताब दिला चुके हैं।' वीडियो में निखिल एबीडी से पूछते हैं- टी20 का सर्वकालिक महान खिलाड़ी कौन है? इस पर डिविलियर्स जवाब देते हैं- यह विवादित रहने वाला है। इसे विवादित नहीं कहूंगा, लेकिन लोग इस पर ताने जरूर मारेंगे। मुझे लगता है कि जसप्रीत बुमराह टी20 के सर्वकालिक महान खिलाड़ी हैं।' इसके बाद डिविलियर्स ने चुटकी लेते हुए कहा, 'हालांकि, मुझे गेंदबाजी करते हुए महान नहीं हैं।' डिविलियर्स ने बुमराह की खासियत बताई मिस्टर 360 डिग्री नाम से मशहूर डिविलियर्स ने वीडियो में बुमराह की खासियत भी बताई। एबीडी ने कहा, 'उनकी कंसिस्टेंसी शानदार है। 20 ओवर के खेल में किसी भी परिस्थिति में वह गेंदबाजी कर सकते हैं और भारी दबाव में विकेट निकालने की भी उनमें गजब की क्षमता है। चाहे नई गेंद हो या पुरानी गेंद, वह किसी से भी गेंदबाजी कर सकते हैं। सुपर ओवर हो तो उन्हें गेंद थमा दो और वह आपको जीत दिला देंगे। यही हैं जसप्रीत बुमराह।' आकिब जावेद का बेतुका बयान एक तरफ जहां टी20 के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शुमार डिविलियर्स बुमराह को सर्वकालिक महान बता रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान के सीनियर चयनकर्ता आकिब जावेद ने बेतुका बयान दिया था। आकिब जावेद ने बुमराह की अनोखी गेंदबाजी एक्शन की तारीफ करते हुए उनकी तुलना पाकिस्तान के मिस्ट्री स्पिनर उस्मान तारिक से कर दी। हालांकि यह तुलना क्रिकेट फैंस को पसंद नहीं आया और आकिब की खूब आलोचना हुई।

केकेआर की मुश्किलें बढ़ीं ज्यादातर मैचों से दूर रह सकता है यह स्टार गेंदबाज

कोलकाता। आईपीएल 2026 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा घुटने की सर्जरी के बाद टूर्नामेंट के बड़े हिस्से से बाहर रह सकते हैं। वह फिलहाल रिहैब कर रहे हैं और उनकी वापसी की कोई तय तारीख नहीं है। टीम को पहले ही मुस्तफिजुर रहमान की अनुपलब्धता का सामना करना पड़ रहा है। आईपीएल

2026 के आगाज का काउंटडाउन शुरू हो गया है। 28 मार्च को लीग का पहला मुकाबला खेला जाएगा। हालांकि, इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा घुटने की सर्जरी के कारण टूर्नामेंट के बड़े हिस्से से बाहर रह सकते हैं। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के मुताबिक, राणा ने फरवरी में घुटने की सर्जरी कराई थी और फिलहाल वह पुनर्वास (रिहैब) की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी फिटनेस पर नजर रखे हुए है, लेकिन अभी तक उनकी वापसी की कोई तय तारीख सामने नहीं आई है। वहीं, दूसरी तरफ स्टार बल्लेबाज और पूर्व कप्तान रोहित शर्मा मंगलवार को मुंबई इंडियंस के स्क्वॉड से जुड़ गए हैं। मुंबई इंडियंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर कर इसकी जानकारी दी है। सोशल मीडिया पोस्ट में एमआई ने बताया कि हिटमैन नए सीजन से पहले टीम में शामिल हो रहे हैं! टी20 विश्व कप से भी हो चुके हैं बाहर अगर वह पूरे टूर्नामेंट से बाहर रहते हैं, तो यह लगातार दूसरा बड़ा टूर्नामेंट होगा जिसे वह चोट के कारण नहीं खेल पाएंगे।हर्षित राणा को यह चोट भारत के टी20 विश्व कप के वॉर्म-अप मैच के दौरान लगी थी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए उस अभ्यास मुकाबले में उन्होंने सिर्फ एक ओवर फेंका था, जिसके बाद उन्हें घुटने में परेशानी महसूस हुई। जांच में उनके दाहिने घुटने के लिगामेंट में खिंचाव पाया गया, जिसके बाद उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। उनकी जगह टीम में मोहम्मद सिराज को शामिल किया गया था। हालांकि सिराज को पूरे टूर्नामेंट में केवल भारत के पहले मैच में ही खेलने का मौका मिला था। बीसीसीआई अवॉर्ड्स में मिला सम्मान चोट के बावजूद हर्षित राणा के लिए हाल ही में एक बड़ी उपलब्धि भी सामने आई। उन्हें बीसीसीआई अवॉर्ड्स में ह्यबेस्ट इंटरनेशनल डेब्यूटेंटह्ल का सम्मान दिया गया। यह पुरस्कार उनके शानदार अंतरराष्ट्रीय पदार्पण को देखते हुए दिया गया, जिसने उन्हें भारतीय तेज गेंदबाजी के उभरते सितारों में शामिल कर दिया है। मुस्तफिजुर रहमान भी टीम से बाहर केकेआर की मुश्किलें केवल राणा की चोट तक सीमित नहीं हैं। टीम के पास इस सीजन में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान भी उपलब्ध नहीं होंगे। भारत और बांग्लादेश के बीच हाल के महीनों में तनावपूर्ण भू-राजनीतिक परिस्थितियों के कारण बीसीसीआई ने केकेआर को मुस्तफिजुर को रिलीज करने का निर्देश दिया था। हालांकि फ्रेंचाइजी को उनकी जगह खिलाड़ी लेने की अनुमति मिली और टीम ने जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को अपने साथ जोड़ा है। इसके लिए मुझराबानी ने पाकिस्तान सुपर लीग में इस्लामाबाद यूनाइटेड के साथ अपना करार भी छोड़ दिया।

भारतीय टी20 कप्तान ने डेरिल मिचेल से क्यों मांगी माफी अर्शदीप के साथ विवाद पर आया बयान

नई दिल्ली। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने खुलासा करते हुए बताया है कि उन्होंने किस कारण न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल से माफी मांगी थी। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने खुलासा करते हुए बताया है कि उन्होंने टी20 विश्व कप के फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाड़ी डेरिल मिचेल से माफी मांगी थी। दरअसल, मैच के दौरान अर्शदीप सिंह और मिचेल के बीच विवाद हो गया था क्योंकि भारतीय तेज गेंदबाज ने गेंद थ्रो की जो सीधे मिचेल को लगी। मिचेल इससे काफी गुस्सा हुए थे, लेकिन उस दौरान सूर्यकुमार ने बीच बचाव किया था। अर्शदीप पर लगा था जुमार्ना आईसीसी ने इस हरकत

के लिए अर्शदीप पर मैच फीस का 15 फीसदी जुमार्ना लगाया था और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा था। मैच के बाद हालांकि, अर्शदीप ने सार्वजनिक तौर पर मिचेल से माफी मांगी थी और उनसे हाथ भी मिलाया था। भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराकर टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था। अर्शदीप ने मैच के बाद प्रसारणकर्ता से बातचीत में इस मामले पर माफी मांगते हुए कहा था, मैं मिचेल से माफी मांगना चाहता हूं। मेरा थ्रो रिवर्स स्विंग होकर उन्हें लगा। मैंने जानबूझकर ऐसा नहीं किया था। क्या था पूरा मामला? अर्शदीप और मिचेल के बीच विवाद उस वक्त हुआ जब भारतीय तेज गेंदबाज न्यूजीलैंड की पारी का 11वीं ओवर डालने आए। ओवर की पांचवीं गेंद पर मिचेल डिफेंसिव शॉट खेला और गेंद बाउंस करते हुए अर्शदीप के पास पहुंची। अर्शदीप ने फॉलो थ्रू में गेंद मिचेल के जांघ पर मार दी। इससे मैदान में थोड़ी देर के लिए तनाव का माहौल बन गया। अर्शदीप सिंह ने ऑफ स्टंप के बाहर वाइड यॉर्कर डाली, जिसे डेरिल मिचेल ने सीधे पिच की तरफ खेल दिया। इसके बाद अर्शदीप ने विकेट की ओर थ्रो मारने की कोशिश की, लेकिन गेंद मिचेल की जांघ पर जा लगी।

ईद उल फित्र की तैयारियों के सिलसिले में बैठक हुई

लखनऊ (संवाददाता)। ईद-उल-फित्र की तैयारियों के संबंध में ईदगाह लखनऊ के इमाम मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली, चेयरमैन इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया की अध्यक्षता में इस्लामिक सेंटर और ईदगाह के कार्यकताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें बताया गया कि ईदगाह में नमाजियों के लिए वुजू, साफ-सफाई आदि के सभी इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं। मौलाना फरंगी महली ने कहा कि 19 मार्च को शव्वाल का चांद देखा जाएगा। यदि उस दिन चांद नजर आ गया तो 20 मार्च को, अन्यथा 21 मार्च को ईद-उल-फित्र मनाई जाएगी। इसका ऐलान रात साढ़े सात बजे कर दिया जाएगा। मौलाना ने ईद-उल-फित्र के शरई और धार्मिक पहलुओं को बयान करते हुए कहा कि ईद-उल-फित्र मुसलमानों और खास तौर पर रोजेदारों के लिए उनके खालिक व मालिक की तरफ से एक महान इनाम है। क्योंकि उन्होंने पूरे रमजान में रोजे रखे, तरावीह पढ़ी, कुरआन करीम की तिलावत की, जकात दी, सदकघ किया, शबे कघ्द्र में इबादत की, एतिकाफ किया और बहुत से अच्छे काम किए तथा बुरे कामों से खुद को रोके रखा। इस खुशी में अल्लाह तआला ने उन्हें ईद-उल-फित्र के रूप में इनाम दिया।

शादी के 10 साल बाद भरेगी दिव्यांका त्रिपाठी की सूनी गोद

पहले बच्चे के स्वागत के लिए तैयार हैं विवेक दहिया

टीवी कपल दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया की ओर से हाल ही में एक गुड न्यूज सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि ये कपल शादी के 10 साल बाद माता-पिता बनने जा रहा है। दोनों अपने पहले बच्चे का स्वागत करेंगे। इस गुड न्यूज के बाद दहिया परिवार में खुशी की लहर है। हालांकि, अभी तक दिव्यांका या विवेक की तरफ से इस गुड न्यूज को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन एक सूत्र ने इस खबर को कंफर्म किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, सूत्र ने कंफर्म किया है कि दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया माता-पिता बनने वाले हैं और उनके परिवारों ने अभी से तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। बताया जा रहा है कि दिव्यांका और विवेक जल्द ही बेबी शॉवर सेरेमनी भी होस्ट करने वाले हैं। यह एक निजी फंक्शन होगा, जिसमें सिर्फ परिवार के लोग और करीबी दोस्त ही शामिल होंगे। बता दें, इससे पहले भी दिव्यांका की प्रेग्नेंसी की अफवाहें उड़ी थीं, लेकिन कपल ने हर बार प्रेनेंसी की अफवाहों को फेक करार दिया। इस बार फैंस को उम्मीद है कि यह गुड न्यूज पक्की हो। पर्सनल लाइफ की बात करें तो टीवी एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी ने 8 जुलाई 2016 को विवेक दहिया से शादी रचाई थी। दोनों अक्सर अपनी रोमांटिक केमिस्ट्री की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं। वर्कफ्रंट पर दिव्यांका पिछली बार टीवी रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 13 में देखा गया था।

अस्पताल से डिस्चार्ज हुए सलमान के पिता

ब्रेन हेमरेज के बाद हॉस्पिटल में भर्ती हुए थे सलीम खान

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के परिवार को हाल ही में बड़ी राहत मिली है। दिग्गज स्क्रीन राइटर सलीम खान करीब एक महीने तक अस्पताल में भर्ती रहने के बाद मंगलवार सुबह अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। इस बात की पुष्टि उनके पारिवारिक सूत्र ने भी की है। इस खबर के सामने आने के बाद सलमान खान के करीबियों और फैंस ने भी राहत की सांस ली है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, दिगग्ज स्क्रीनराइटर सलीम खान को मंगलवार, 17 मार्च को मुंबई के लीलावती अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक परिवार के एक सूत्र ने बताया कि वह सुबह करीब 10 बजे अपने घर लौटे। बता दें, 90 वर्षीय सलीम खान को 17 फरवरी को मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती हुए थे। बढ़ती उम्र के कारण उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो रही थीं और हल्का ब्रेन हेमरेज भी हुआ था। करीब एक महीने तक अस्पताल में भर्ती रहने के बाद आज सुबह उन्हें छुट्टी मिल गई है। जब डॉक्टरों ने पुष्टि की कि उनकी हालत में सुधार हो गया है तब उन्हें घर जाने की अनुमति दी गई। इससे पहले, डॉ. पारकर ने सलीम खान का हेल्थ अपडेट देते हुए बताया था कि उन्हें बहुत हलका ब्रेन हेमरेज हुआ था, जिसका एक छोटा सा प्रोसीजर किया गया, जो सफलतापूर्वक पूरा हो गया। उनकी सेहत में काफी सुधार हो रहा है। उनकी उम्र को देखते हुए, ठीक होने में थोड़ा ज्यादा समय लगेगा।

कम कीमत में देखना चाहते हैं धुरंधर 2 ? इन जगहों पर मिल रही है सस्ते में टिकट

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 रिलीज से पहले ही दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन गई है। फैंस फिल्म का फर्स्ट डे शो देखने के लिए बेताब हैं। टिकट की कीमतें भी चर्चा में हैं, क्योंकि कुछ स्थानों

पर टिकट 2200 से 3100 रुपये तक बिक रहे हैं। वहीं, कुछ थिएटरों में सस्ते टिकट उपलब्ध हैं, जिससे हर वर्ग के लोग फिल्म का आनंद ले सकते हैं। नोएडा के कई थिएटरों में फिल्म रिलीज के 15 दिन बाद कम कीमत में टिकट उपलब्ध होंगे। गुरुग्राम में पेप्सी पीवीआर एम्बियंस में भी 200 रुपये में टिकट मिल रहे हैं। इसके अलावा अन्य कई थिएटरों में भी कम रेट में टिकट उपलब्ध हैं। टिकटों की उच्च मांग के कारण कुछ स्थानों पर पहले से ही बुकिंग हो चुकी है। धुरंधर 2 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म के 18 मार्च को पेड प्रीव्यू शो भी आयोजित किए गए हैं, जिससे फैंस पहले ही फिल्म का अनुभव ले सकें।

पति का हाथ थाम आफ्टर पार्टी में शामिल हुई प्रियंका चोपड़ा, शिमरी बैकलेस ड्रेस में दिखा हद से बोल्ड अंदाज

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर अपने स्टाइल और चार्म को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर ऑस्कर्स के बाद हुई आफ्टर पार्टी की कुछ खास तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उनका ग्लैमरस अंदाज देखते ही बन रहा है। इन तस्वीरों में उनती पति निक जोनस संग रोमांटिक केमिस्ट्री फैंस का दिल जीत रही है। ग्लिटरी आई मेकअप और हल्के शेड की लिपस्टिक के साथ उनका लुक और भी ग्रेसफुल नजर आया। अपने बालों को उन्होंने

खुले रखा और बोल्डनेस से फैंस को इम्प्रेस करती नजर आईं। कई तस्वीरों में वह सीढ़ियों पर चढ़ती हुई अपने बैक फ्लॉन्ट कर रही हैं तो कइयों में वह सीढ़ी पर कातिलाना अंदाज में पोज दे रही हैं। वहीं निक जोनस ब्लेजर और पैंट में काफी डैशिंग दिखाई दिए। दोनों ने साथ में कई रोमांटिक पोज दिए, जो फैंस को बेहद पसंद आ रहे हैं। तस्वीरों में कपल की बॉन्डिंग और केमिस्ट्री साफ झलक रही है, जिसने सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत लिया। फिलहाल प्रियंका और निक की ये तस्वीरें इंटरनेट पर छाई हुई हैं ।

कॉमेडी में नया दांव, ऋतिक रोशन और प्राइम वीडियो की मेस तैयार

प्राइम वीडियो की यह आने वाली ऑरिजनल फिल्म श्मेसश, ऋतिक रोशन और ईशान रोशन द्वारा उनके बैनर एचआरएक्स फिल्म्स (फिल्मक्राफ्ट प्रोडक्शंस की एक डिवीजन) के तहत बनाई जा रही है। इस प्रोजेक्ट में राजेश ए. कृष्णन की सोडा फिल्म्स लैब भी उनके साथ जुड़ी है। राजेश ए. कृष्णन के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म का प्रोडक्शन जल्द ही शुरू होने वाला है। प्राइम वीडियो, भारत का सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन, ने आज अपनी आने वाली प्राइम ओरिजिनल फिल्म मेस का एलान किया है। यह कॉमेडी फिल्म स्ट्रीमिंग सर्विस और एचआरएक्स फिल्म्स (फिल्मक्राफ्ट प्रोडक्शंस की एक डिवीजन) के बीच दूसरा कोलैबोरेशन है, इससे पहले थ्रिलर सीरीज स्टॉर्म का एलान हो चुका है। ऋतिक रोशन और ईशान रोशन द्वारा भ्त्र फिल्म्स के बैनर तले और राजेश ए कृष्णन की सोडा फिल्म्स लैब के साथ मिलकर बनाई गई इस फिल्म का निर्देशन खुद कृष्णन ही कर रहे हैं। इस फिल्म की ओरिजिनल पटकथा अमेरिकी लेखक पॉल सोटर ने लिखी है, जबकि अडैप्टेड स्क्रीनप्ले और डायलॉग्स कपिल सावंत ने लिखे हैं। घ्मेस की कहानी लुटेरों के एक ऐसे अजीबोगरीब ग्रुप के बारे में है, जो एक ओसीडी से पीड़ित आदमी के घर में घुस जाते हैं। धीरे-धीरे उन्हें एहसास होता है कि खतरा उस परिवार को नहीं, बल्कि खुद उन्हें है और इस रात भर चलने वाली खींचतान में उनका बचना मुश्किल है। निखिल मधोक (डायरेक्टर और हेड ऑफ ओरिजिनल्स, प्राइम वीडियो इंडिया) ने कहा, एक अच्छी कहानी की पहचान यह है कि वह आपको हैरान कर दे और अंत तक आपका मनोरंजन करे। मेस के साथ हमारे पास एक ऐसी कहानी है जो न सिर्फ यह सब करती है, बल्कि आपको हर मोड़ पर हंसाती भी है। घ्उन्होंने आगे बताया, इस फिल्म का कॉन्सेप्ट बहुत ही नया और फ्रेश है और इसके किरदार भी काफी मजेदार हैं। ऋतिक और ईशान, अपनी कंपनी एचआरएक्स फिल्म्स के जरिए, कहानी कहने की एक गहरी समझ और जुनून साथ लाते हैं। स्टॉर्म के बाद, इस फिल्म के साथ अपनी साझेदारी को और मजबूत करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। राजेश ए. कृष्णन इस जॉनर (कॉमेडी) के माहिर खिलाड़ी हैं और हमें यकीन है कि मेस एक ऐसी फिल्म साबित होगी जिसे भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के दर्शक पसंद करेंगे। प्रोड्यूसर ऋतिक रोशन ने कहा, स्टॉर्म के साथ प्राइम वीडियो के साथ एक खास सफर की शुरूआत हुई थी और मेस हमारी कंपनी एचआरएक्स फिल्म्स के लिए एक अगला और स्वाभाविक कदम है। घ्उन्होंने आगे कहा, प्राइम वीडियो के साथ हमारी साझेदारी ने हमें कुछ अलग और नया कर दिखाने का मौका दिया है, और यह प्रोजेक्ट उसी सोच को पूरी तरह से दशार्ता है। राजेश (राजेश ए. कृष्णन) एक प्रोड्यूसर और डायरेक्टर के तौर पर अपनी एक अलग पहचान रखते हैंय उनके पास कॉमेडी को एक बेहतरीन कहानी के साथ जोड़ने का शानदार हुनर है। मेस के लिए उनका नजरिया शुरू से ही कमाल का रहा है। जैसे-जैसे फिल्म का काम आगे बढ़ रहा है, मैं और ईशान इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं। हमारा मानना है कि यह फिल्म उन दर्शकों को बहुत पसंद आएगी जो लीक से हटकर और नई तरह की कहानियों को देखना पसंद करते हैं। इस आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए राजेश ए. कृष्णन ने कहा, कपिल के साथ मिलकर श्मेसश को तैयार करना वाकई एक शानदार अनुभव रहा है। उनके साथ फिर से काम करना बहुत अच्छा लगा। इस फिल्म की दुनिया कॉमेडी और अफरा-तफरी का एक रोमांचक मेल है, जो दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखने के लिए काफी है। यह फिल्म मेरे लिए क्रिएटिव तौर पर बहुत संतोषजनक रही है। घ्उन्होंने आगे कहा, ऋतिक और ईशान ने अपनी समझ और भरोसे से इस फिल्म को और बेहतर बनाया है, और हमारे पास काम करने के लिए एक ड्रीम कास्ट है। अब जब हम प्रोडक्शन की तरफ बढ़ रहे हैं, तो मैं एचआरएक्स फिल्म्स और प्राइम वीडियो के सपोर्ट के लिए शुक्रगुजार हूँ। मुझे पूरा यकीन है कि इस फिल्म को रिलीज के लिए बिल्कुल सही प्लेटफॉर्म मिला है। जैसे-जैसे फिल्म का काम आगे बढ़ेगा, इससे जुड़ी और भी जानकारी जल्द ही सामने आएगी।

'सरके चुनर तेरी..' गाने पर बवाल

लिरिक्स के चलते उठी बैन की मांग; मेकर्स ने लिया बड़ा फैसला

नोरा फतेही कई आइटम सॉन्ग कर चुकी हैं। उनकी फिल्मों के गाने खूब वायरल होते हैं। लेकिन उनका हालिया रिलीज गाना जमकर विवादों में घिर गया है। इस बार फिल्म 'केडी द डेविल' के नए गाने सरके चुनर तेरी सरके को लेकर नोरा को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया गया। रिलीज हुआ 'केडी' का पहला गाना 'सरके चुनर तेरी सरके', नोरा फतेही के साथ डांस करते दिखे संजय दत्त इसके बाद कुछ सेलेब्स ने भी गाने के लिरिक्स पर नाराजगी जताई। अब इतना सब होने के बाद मेकर्स ने गाने को यूट्यूब से हटा दिया है। आइए मामले को डिटेल में समझते हैं। कब रिलीज हुआ गाना? 'सरके चुनर तेरी सरके' गाना 'केडी - द डेविल' फिल्म का है। ये 15 मार्च को रिलीज हुआ था और इस गाने को रकीब आलम ने लिखा था। गाने में नोरा फतेही के साथ संजय दत्त भी नजर आते हैं। गाने में अश्लील लिरिक्स और वीडियो को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। 'सरके चुनर तेरी सरके' गाना रिलीज होने के बाद से ही विवादों में है। इसके हिंदी वर्जन में वलगर लिरिक्स को लेकर लोग इसे शुरू से ही सोशल मीडिया पर ट्रोल कर रहे थे। साथ ही इस गाने का विरोध भी कर रहे थे। लोगों के बाद कुछ सेलेब्स ने भी इस गाने पर आपत्ति जताई। सिंगर अरमान मलिक और फिल्ममेकर ओनिर ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट कर नाराजगी जाहिर की। साथ ही अरमान ने गाने की राइटिंग को निचले स्तर की बताया। ठलफ्ठ ने भी दिया कड़ा रिएक्शन इस पूरे विवाद पर प्रियंक कानूनगो ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। बता दें कि प्रियंक कानूनगो नेशनल ूमन राइट्स कमीशन (ठलफ्ठ) के सदस्य हैं। 16 मार्च को जब उनसे इस गाने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा, कौन है जो अपने सभ्य परिवार के साथ बैठकर इसे देख सकता है? उनके इस बयन के बाद मामले ने और तूल पकड़ लिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आयोग ने गाने के कंटेंट को ध्यान में रखते हुए मेकर्स को नोटिस भी जारी किया था। बैन की भी उठी मांग फैंस और सेलेब्स के सोशल मीडिया पर विरोध करने के बाद ये गाना एक वकील तक भी पहुंच गया। जिसके बाद उन्होंने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (उइत्रछ) में शिकायत दर्ज कराते हुए इसे बैन करने की मांग की। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि गाने के लिरिक्स और वीडियो बहुत अश्लील और आपत्तिजनक हैं, जो समाज पर गलत असर डाल सकते हैं, खासकर बच्चों और युवाओं पर। इतना ही नहीं, शिकायत को सूचना एवं प्रसारण

मंत्रालय तक भी भेजा गया और इस पर जल्द कार्रवाई की मांग की गई। गाने को यूट्यूब से हटाया गाने को लेकर इतना विरोध होने के बाद मेकर्स की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया, बल्कि उन्होंने चुपके से इस गाने को यूट्यूब से ही हटा दिया। अब यूट्यूब पर 'सरके चुनर तेरी सरके' सर्च करने पर या तो गाना दिखाई नहीं दे रहा है, और दिख भी रहा है, तो चल नहीं रहा है। एक पेज पॉप-अप होता है और या तो ये लिखा आता है कि ये वीडियो उपलब्ध नहीं है, या फिर ऐसा लिखा आता है कि वीडियो प्राइवेट है।

लखनऊ से मोबाइल चुराकर नेपाल में बेचने वाले 4 गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ से मोबाइल चुराकर नेपाल में बेचने वाले चोर गिरोह के 4 सदस्यों को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 41 मोबाइल फोन, 2 टैबलेट, अवैध हथियार और वारदात में इस्तेमाल लग्जरी कार और बाइक बरामद की गई। मोबाइलों की कीमत करीब 20 लाख रुपए है। एडीसीपी नॉर्थ रिषभ रूणवाल ने बताया- 22 फरवरी को जानकीपुरम गार्डन निवासी अभिषेक चौधरी ने दुकान का शटर तोड़कर चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। चोर करीब 30 नए मोबाइल, 10 पुराने मोबाइल, 4 टैबलेट और 10 हजार रुपए नकद ले गए थे। पुलिस मड़ियांव थाने में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश में लगी थी। मुखबिर की सूचना पर मंगलवार सुबह मड़ियांव के यादव चौराहे के पास लोखड़िया मोड़ सर्विस रोड से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अमन (23), जीशान (26), अजमत अली उर्फ मंटू (25) और समीर उर्फ डाबर (19) के रूप में हुई है। सभी लखनऊ और बहराइच के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले हैं। आरोपियों के पास से 41 मोबाइल, 2 टैबलेट के अलावा 2 अवैध देशी तमंचे (.303 बोर), 1 रिवॉल्वर (.32 बोर) और कुल 9 जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई हुंडई वर्ना कार और दो मोटरसाइकिल भी कब्जे में ली हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि पहले बाइक और कार से इलाके की रेकी करते थे। इसके बाद बंद दुकानों का शटर और ताला तोड़कर मोबाइल व टैबलेट चोरी कर लेते थे। चोरी का सामान नेपाल ले जाकर बेच देते थे और रुपए आपस में बांट लेते थे। आरोपी चोरी के दौरान हथियार साथ रखते थे।

पश्चिम एशिया में तनाव पर चिंता

प्रवासी नागरिकों से बोलीं नेपाल की पीएम- देश में करें निवेश

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल की निवर्तमान प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने प्रवासी नेपालियों से देश के विकास में निवेश और सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने निवेश, ज्ञान साझा करने और नवाचार को नेपाल की समृद्धि के लिए अहम बताया। नेपाल की निवर्तमान प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने दुनिया भर में रह रहे प्रवासी नेपालियों से एकजुट होने और देश की आर्थिक समृद्धि में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया है। काठमांडू में आयोजित गैर-आवासीय नेपाली संघ (एनआरएनए) के 12वें वैश्विक सम्मेलन और अंतरराष्ट्रीय आम सभा के समापन पर उन्होंने यह बात कही। सुशीला कार्की ने सोमवार को सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार अकेले देश के विकास के लक्ष्यों को पूरा नहीं कर सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि नेपाल की प्रगति के लिए देश और विदेश में रहने वाले सभी नेपालियों का सहयोग, निवेश, ज्ञान और नए विचार (नवाचार) बहुत जरूरी हैं। 'हमारी एकता, समृद्धि का आधार' विषय के तहत आयोजित इस तीन-दिवसीय सम्मेलन में दुनिया भर से नेपाली प्रवासियों के 1,000 से अधिक प्रतिनिधि और सदस्य एक साथ आए। एनआरएनए लगभग 80 लाख प्रवासी नेपालियों का एक बड़ा संगठन है। सम्मेलन के अंत में एक 12 सूत्रीय घोषणापत्र भी जारी किया गया। प्रधानमंत्री ने प्रवासी नागरिकों को नेपाल में निवेश के अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इससे न केवल आर्थिक विकास होगा, बल्कि पर्यावरण की सुरक्षा और सतत विकास में भी मदद मिलेगी। पश्चिम एशिया संकट पर जताई चिंता सम्मेलन में पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध पर भी गहरी चिंता जताई गई। 28 फरवरी से अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले शुरू किए हैं, जिससे पूरे खाड़ी क्षेत्र में तनाव फैल गया है। एनआरएनए ने अपने घोषणापत्र में कहा कि वे पश्चिम एशिया के देशों में रह रहे नेपालियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर हैं। संगठन ने संकट के समय में वहां फंसे नेपालियों को राहत पहुंचाने, उन्हें बचाने और उनके पुनर्वास के लिए नेपाल सरकार और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने का संकल्प लिया। नीतिगत माहौल बनाने की अपील की प्रवासी समुदाय ने नेपाल सरकार से निवेश के लिए बेहतर कानूनी और नीतिगत माहौल बनाने की मांग की है। उन्होंने नागरिकता, विदेशी निवेश, आयकर और संपत्ति के लेन-देन से जुड़े कानूनों में बदलाव का सुझाव दिया है। संगठन ने जलविद्युत (हाइड्रोपावर), कृषि, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी और नवाचार पर आधारित उद्योगों को निवेश के लिए सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र बताया है।

राष्ट्रपति ट्रंप की चीफ ऑफ स्टाफ को ब्रेस्ट कैंसर, इलाज के दौरान भी छुट्टी नहीं लेंगी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीफ ऑफ स्टाफ को प्रारंभिक ब्रेस्ट कैंसर हो गया है। हालांकि वे इलाज के दौरान भी व्हाइट हाउस से काम करेंगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को घोषणा की कि व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सुसी वाइल्स को प्रारंभिक अवस्था का ब्रेस्ट कैंसर होने का पता चला है। हालांकि वह इलाज के दौरान भी व्हाइट हाउस से काम जारी रखेंगी। ट्रंप ने इस जानकारी को सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने वाइल्स की तारीफ करते हुए कहा कि वे एक भरोसेमंद सलाहकार है। इसके साथ ही उनकी तेजी से ठीक होने की उम्मीद जताई। वे एक बेहतरीन इंसान हैं ट्रंप ने कहा, ह्लसुसी वाइल्स एक अद्भुत चीफ ऑफ स्टाफ हैं, एक बेहतरीन इंसान हैं, और सबसे मजबूत लोगों में से एक हैं जिन्हें मैं जानता हूं। लेकिन दुर्भाग्यवश उन्हें प्रारंभिक अवस्था का ब्रेस्ट कैंसर होने का पता चला है। उन्होंने इस चुनौती को तुरंत स्वीकार करने का निर्णय लिया है, और

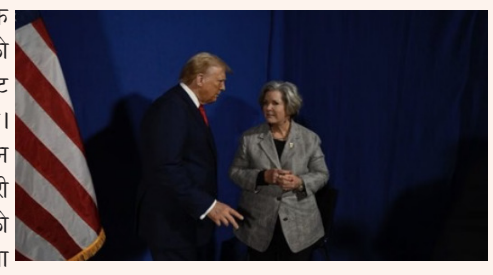

तुरंत इलाज शुरू कर दिया है। राष्ट्रपति ने कहा कि वाइल्स पहले ही इलाज की तैयारी शुरू कर चुकी हैं और उनके पास एक मजबूत मेडिकल टीम का समर्थन है। इलाज के दौरान भी काम कर रही ट्रंप ने कहा, ह्लउनकी मेडिकल टीम शानदार है इलाज के दौरान वह लगभग पूरा समय व्हाइट हाउस में बिताएंगी।'' ट्रंप ने वाइल्स को प्रशासन में अपने सबसे भरोसेमंद सलाहकारों में से एक भी बताया। ट्रंप ने कहा, ह्लउनकी शक्ति और उनकी प्रतिबद्धता, जो वे अपने काम को प्यार से और बेहतरीन तरीके से करती हैं, जबकि इलाज के दौरान भी काम कर रही हैं, आपको उनके बारे में सब कुछ बता देती हैं।'' ट्रंप ने कहा कि वाइल्स प्रशासन में एक महत्वपूर्ण सदस्य हैं और उनकी टीम के लिए केंद्रीय भूमिका निभाती हैं।उन्होंने कहा, सुसी, मेरी सबसे करीबी और महत्वपूर्ण सलाहकारों में से एक के रूप में, मजबूत हैं और अमेरिकी जनता की सेवा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

मिसाइल क्षमता ध्वस्त होने के अमेरिकी दावों के बीच जारी भीषण हमले

ड्रोन-मोबाइल लॉन्चर बने बड़ी चुनौती

दोहा/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और इस्त्राइल के दावों के बावजूद ईरान मिसाइल और ड्रोन हमले जारी रखे हुए है। विशेषज्ञों के अनुसार तेहरान के पास अभी भी पर्याप्त हथियार, मोबाइल लॉन्चर और रणनीतियां मौजूद हैं जो क्षेत्र में तनाव बनाए रख सकती हैं। अमेरिका और इस्त्राइल का दावा है कि संयुक्त हमलों में ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन क्षमता को भारी नुकसान पहुंचा है और उसके कई लॉन्चर नष्ट कर दिए गए हैं। इसके बावजूद ईरान अब भी क्षेत्रीय देशों और इस्त्राइल की दिशा में असरदार तरीके से मिसाइल और ड्रोन दाग रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार ईरान की हमला क्षमता जरूर घटी है, लेकिन उसके पास अभी भी इतने हथियार और वैकल्पिक रणनीतियां मौजूद हैं कि वह सीमित लेकिन रणनीतिक हमलों के जरिये पूरे क्षेत्र में तनाव बनाए रख सकता है। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि अभियान एपिक फ्यूरी में ईरान की सैन्य क्षमताओं को गंभीर नुकसान पहुंचा है। ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता कार्यात्मक रूप से नष्ट हो चुकी है, उसकी नौसेना को युद्ध के लिहाज से अप्रभावी माना जा रहा है और अमेरिकी व इस्त्राइली वायुसेना ने ईरान के हवाई क्षेत्र पर लगभग पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर लिया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार इन दावों के बावजूद सोमवार को कतर ने घोषणा की कि उसने ईरान से दागी गई मिसाइलों को इंटरसेप्ट किया

है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन ने भी मिसाइल अलर्ट जारी किए। अबू धाबी में एक मिसाइल के कार पर गिरने से एक व्यक्ति की मौत भी हुई। विशेषज्ञों के अनुसार इसकी वजह यह है कि ईरान की पूरी क्षमता खत्म नहीं हुई है। उसके पास अभी भी मिसाइलों का बड़ा भंडार, मोबाइल लॉन्चर और विकेंद्रीकृत सैन्य ढांचा मौजूद है, जिससे वह सीमित स्तर पर हमले जारी रख सकता है। हमले कम हुए पर लगा रहा सटीक निशाना रिपोर्ट के अनुसार हालांकि युद्ध के शुरूआती दिनों की तुलना में ईरान के हमलों में स्पष्ट कमी आई है। संघर्ष के पहले 24 घंटों में ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात की ओर 167 मिसाइलें और 541 ड्रोन दागे थे। लेकिन युद्ध के 15वें दिन यह संख्या घटकर सिर्फ 26 मिसाइल और करीब 50 ड्रोन रह गई, ये आंकड़े यूएई के रक्षा मंत्रालय के बयानों के आधार पर संकलित किए गए हैं। इस्त्राइल पर हमलों में भी गिरावट आई है। शुरूआती दो दिनों में लगभग 100 प्रोजेक्टाइल दागे गए थे, जबकि हाल के दिनों में यह संख्या 15 से 20 सिमट गई है। पेंटागन ने भी कहा कि युद्ध के पहले दिन की तुलना में ईरानी मिसाइल लॉन्च 90 प्रतिशत और ड्रोन हमले 86 प्रतिशत तक घट गए हैं। ईरान के पास क्षेत्र का सबसे बड़ा बैलिस्टिक मिसाइल भंडार अमेरिकी खुफिया एजेंसी ऑफिस ऑफ द डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस ने 2022 में आकलन किया था कि ईरान के पास क्षेत्र का सबसे बड़ा बैलिस्टिक मिसाइल भंडार है। हालांकि इसकी सटीक संख्या सार्वजनिक नहीं है, लेकिन इस्त्राइली खुफिया रिपोर्टों के अनुसार ईरान के पास लगभग 3000 मिसाइलें थीं। पिछले साल जून में हुए 12 दिन के युद्ध के बाद यह संख्या घटकर लगभग 2500 रह गई थी। विशाल भूगोल और छिपे लॉन्चर बड़ी चुनौती... वॉशिंगटन स्थित नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर डेविड डेस रोशेस के अनुसार, ईरान जैसे विशाल देश में सभी लॉन्चरों को पूरी तरह खत्म करना बेहद कठिन है, खासकर तब जब जमीन पर सैनिक तैनात न हों। उन्होंने कहा कि कई मिसाइलें युद्ध से पहले ही ऐसे गुप्त स्थानों पर छिपा दी गई थीं जो सैन्य ठिकानों से जुड़े नहीं थे।

ऊना में दलितों की पिटाई के मामले में आठ साल बाद कोर्ट का फैसला; पांच दोषियों को 5 साल की जेल, 35 बरी

गिर सोमनाथ (एजेंसी)। गुजरात के ऊना में 2016 में चार दलितों के साथ अत्याचार के मामले में विशेष अदालत ने पांच दोषियों को पांच साल की सजा और 5,000 रुपये जुमार्ना लगाया। अदालत ने एससी/एसटी एक्ट के साथ आईपीसी की कई धाराओं में भी सजा सुनाई, जो एक साथ चलेगी, जबकि 35 आरोपियों को बरी किया गया। पूरा मामला क्या था गुजरात के ऊना में चार दलितों को साल 2016 में सार्वजनिक रूप से कोड़े मारने के मामले में एक विशेष अदालत ने फैसला सुनाया। अदालत ने पांच दोषियों को पांच साल की सजा सुनाई है और प्रत्येक दोषी पर पांच हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया। इन दलितों को उस समय पीटा गया था, जब वे कथित रूप से एक मरी हुई गाय की खाल उतारने की कोशिश कर रहे थे। दोषियों को कितनी सजा सुनाई गई? वेरावल की विशेष अदालत ने इस मामले में सोमवार को पांच लोगों को दोषी ठहराया था। वहीं, 35 लोगों को बरी कर दिया गया था। इस घटना के समय देशभर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। मंगलवार को अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत पांच साल की कैद सुनाई। अधिकतम पांच साल की सजा के अलावा, अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 323 और 324 के तहत तीन साल की जेल, धारा 342 के तहत एक साल की जेल और धारा 504 के तहत दो साल की जेल की सजा भी सुनाई। ये सभी सजाएं एक साथ चलेंगी।

ईरान ने कसा होर्मुज जलडमरूमध्य में शिकंजा, युद्ध खत्म होने के संकेत नहीं; बढ़ेगा वैश्विक ऊर्जा संकट

दुबई (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इस्त्राइल के साथ छिड़ी ईरान की जंग अब तीसरे हफ्ते में प्रवेश कर चुकी है। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को ठप कर दिया है। ईरान ने बीते दिनों भारत के दो जहाजों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति दी थी। हालांकि, अमेरिका-इस्त्राइल के साथ उनके सहयोगियों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को ईरान ने पूरी तरह से बंद कर रखा है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध तीसरे हफ्ते में पहुंच गया और इसके खत्म होने के कोई संकेत भी नहीं मिल रहे हैं। ईरान ने समुद्री परिवहन के लिए प्रमुख मार्ग होर्मुज

जलडमरूमध्य में शिकंजा और कस दिया है। इन घटनाक्रमों से वैश्विक ऊर्जा संकट की आशंकाएं और अधिक बढ़ गई हैं। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई के हवाले से तसनीम समाचार एजेंसी ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य दुश्मन देशों के लिए बंद है, मित्र देशों के लिए नहीं। विशेष परिस्थितियों में ही निकल सकेंगे जहाज :तेहरान उन्होंने कहा कि इस समुद्री मार्ग को किसी भी ऐसे देश के लिए नहीं खोला जाएगा जो ईरान पर हमला करना चाहता हो। इस जलमार्ग से जहाजों का आवागमन विशेष परिस्थितियों में होगा। ईरान के सशस्त्र बल इस मार्ग को नियंत्रित करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि ईरान राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य में आवश्यक उपाय करने का अधिकार रखता है। दुनिया के पांचवें हिस्से के परिवहन वाले इस जलमार्ग पर व्यवधान पैदा होने से तेल की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है।

'ईरान को परमाणु हथियार मिलना दुनिया के लिए बबार्दी', ट्रंप बोले- दो हफ्तों में सेना-ईरानी नेतृत्व ढहा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। क्या ईरान सच में परमाणु हथियार बना पाएगा? अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति वेंस ने इसे दुनिया के लिए बड़ा खतरा बताया। ट्रंप का दावा है कि दो हफ्तों में ईरान की सैन्य और नेतृत्व क्षमता को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया, लेकिन क्या यह कार्रवाई स्थायी सुरक्षा सुनिश्चित कर पाएगी? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान को परमाणु हथियार बनाने के खतरों के प्रति आगाह किया। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने राष्ट्रपति के रुख का समर्थन करते हुए कहा है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश द्वारा की गई सैन्य कार्रवाई राष्ट्रपति के नेतृत्व में हुई है। वेंस ने डेमोक्रेट और रिपब्लिकन दोनों से आग्रह किया कि वे अपने सैनिकों की सफलता और सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।ंप का कड़ा रुखः 'ईरान के नेता हिंसक और दुष्ट हैं' वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा ₹मैं किसी भी अन्य व्यक्ति की तुलना में युद्ध कम चाहता हूं... ईरान के नेता हिंसक और दुष्ट लोग हैं जिन्होंने पिछले तीन हफ्तों में 32,000 प्रदर्शनकारियों को मार डाला है।₹ 'दुनिया का एक बड़ा हिस्सा तबाह हो जाएगा' ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि कोई यह मानता है कि ईरान को परमाणु

हथियार मिलने चाहिए, तो वह गलत है। उन्होंने कहा वे इसका इस्तेमाल एक घंटे या एक दिन के भीतर कर देंगे। वे इसका इस्तेमाल करेंगे और पूरे पश्चिम एशिया को तबाह कर देंगे, न कि सिर्फ इस्त्राइल को। ट्रंप ने एक बार फिर दोहराया कि यदि ईरान को परमाणु हथियार मिल जाता है, तो दुनिया का एक बहुत बड़ा हिस्सा तबाह हो जाएगा और इसका इस्तेमाल लगभग तुरंत ही किया जाएगा। 'हमने उन्हें दो हफ्तों में तबाह कर दिया' राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान की सैन्य क्षमता पर अमेरिका की कार्रवाई के प्रभाव को रेखांकित किया। उन्होंने दावा किया हमने उन्हें दो हफ्तों में तबाह कर दिया है। उनके पास कोई नौसेना नहीं है, कोई वायु सेना नहीं है, कोई एंटी-एयरक्राफ्ट हथियार नहीं है और कोई नेतृत्व नहीं है। उनका नेतृत्व खत्म हो गया है। फिर उन्होंने एक नया नेतृत्व स्थापित किया और वह भी खत्म हो गया। ट्रंप ने कहा कि यह काम पूरी दुनिया के लिए किया गया है। उन्होंने ईरान को पिछले 50 वर्षों या उससे भी लंबे समय में वैचारिक दृष्टिकोण से सबसे खराब देश बताया, जो दुनिया को उड़ाना चाहता था। 'नेतृत्व के दो स्तर पूरी तरह खत्म' राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी बताया कि अमेरिका ने ईरान की अधिकांश मिसाइलों और ड्रोनों को निष्क्रिय कर दिया है। उन्होंने कहा हमने नेतृत्व के दो स्तरों को पूरी तरह से खत्म कर दिया है और शायद तीसरा भी। हमारे पास केवल एक चीज है जो एक छोटा चोक पॉइंट है और उन्होंने (ईरान) इसका वर्षों से बहुत अच्छी तरह से इस्तेमाल किया है, लेकिन यह काम नहीं करता। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि जिन देशों को अमेरिका वर्षों से मदद करता आ रहा है, उनकी 90 से 95% ऊर्जा होर्मुज जलड मरूमध्य से प्राप्त होती है, जो एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बिंदु है। ट्रंप बोले- कार्रवाई जल्द खत्म, दुनिया होगी सुरक्षित अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि हाल की सैन्य कार्रवाई जल्द ही समाप्त हो जाएगी और दुनिया अब अधिक सुरक्षित होगी। ट्रंप ने अपने फैसले को अनिवार्य और जरूरी बताया।

होर्मुज खुलवाने पर अलग-थलग पड़े ट्रंप: जताई नाराजगी, ब्रिटेन-फ्रांस के रुख पर बोले- उन्हें साथ आना चाहिए

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खुलवाने के लिए कई देशों से अपील की है। इन देशों में से ऑस्ट्रेलिया ने इस प्रस्ताव को सीधे तौर पर खारिज कर दिया है। वहीं, ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने कहा कि वह देश को युद्ध में नहीं धकेलेंगे। वहीं, जर्मनी ने ट्रंप से युद्ध को खत्म करने की योजना बताने की मांग की है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खुलवाने के लिए प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय गठबंधन में ब्रिटेन और फ्रांस के रुख पर असंतोष जताया है। उन्होंने कहा कि इन देशों को इस अभियान में अधिक उत्साह के साथ शामिल होना चाहिए। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका की सेना दुनिया की सबसे मजबूत सेना है और उसे किसी की मदद की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से इस मुद्दे पर बातचीत हुई है। ट्रंप ने उम्मीद जताई कि फ्रांस इस पहल में सहयोग करेगा। मैक्रों ने पेजेशकियन से की हमले रोकने पर बातचीत इससे पहले मैक्रों ने ईरान के राष्ट्रपति

मसूद पेजेशकियन से बातचीत कर पश्चिम एशिया के देशों पर ईरान या उसके सहयोगी समूहों के हमले तुरंत रोकने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि फ्रांस क्षेत्र में अपने हितों और समुद्री मार्गों की सुरक्षा के लिए रक्षात्मक भूमिका निभा रहा है। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ अभियान के दौरान हजारों लक्ष्यों को निशाना बनाया है। उनके अनुसार अब तक 7 हजार से अधिक सैन्य और आर्थिक ठिकानों पर हमले किए जा चुके हैं, जिससे ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमता को भारी नुकसान पहुंचा है। ट्रंप दुनियाभर के देशों से कर रहे सहयोग की अपील अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों को खतरा पैदा करने वाली ईरानी नौसैनिक क्षमता को भी काफी हद तक खत्म कर दिया गया है और कई जहाज नष्ट किए जा चुके हैं।

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय, कई राज्यों में 18-20 मार्च के दौरान गरज के साथ बारिश

ओलावृष्टि के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। मनाली-लेह मार्ग पर 1,500 वाहनों में फंसे 10 हजार सैलानी और स्थानीय लोग रोहतांग टनल होकर सुरक्षित निकाल लिए गए हैं। उत्तर-पश्चिम भारत में मौसम ने एक बार फिर करवट की है। हिमालयी क्षेत्रों में ऊंची चोटियों पर हिमपात और घाटियों व आसपास के मैदानी इलाकों में गरज के साथ बारिश, तेज हवाएं चलने और कुछ जगहों पर ओलावृष्टि होने से तापमान में

कुछ गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और उससे सटे आसपास के मैदानी इलाकों में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, जिसके चलते 18 से 20 मार्च के दौरान इन इलाकों में बारिश और तूफानी हवाओं के साथ कहीं-कहीं ओले गिरने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के सोमवार सुबह 8:30 बजे तक आंकड़ों के अनुसार, बीते 24 घंटों में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, पूर्वोत्तर के राज्यों और झारखंड में छिटपुट स्थानों पर ओलावृष्टि हुई। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम और मेघालय में छिटपुट स्थानों पर भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है। अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में छिटपुट स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) हुई। बंगाल के कोलकाता और मालद में कुछ जगहों पर 50-65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चलीं। जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी में फंसे 235 लोग निकाले जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ के सिंथन टॉप पर रविवार रात भारी बर्फबारी में फंसे 235 लोगों और 38 गाड़ियों को सेना ने सुरक्षित निकाला लिया है। व्हाइट नाइट कोर के जवानों ने लोगों को गर्म खाना, पीने का पानी और रहने की जगह भी दी।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।